सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

हरियाणा सरकार ने लैंड पुलिंग पॉलिसी.... पेज: 6

मैं बड़े पर्दे को नही छोड़ूंगी करिश्मा कपूर.. पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 30 | शुक्रवार 01 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिला आरक्षण को ठंडे बस्ते में डाल रखा

भदौही पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विरोधियों पर बोला हमला

भदौही (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने अपने पहले भदोही दौरे के दौरान विपक्ष की महिला विरोधी राजनीति पर जमकर हमला किया। अपने रोड शो के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन ने सीधे तौर पर सपा, कांग्रेस और टीएमसी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि जो राजनैतिक पार्टियां दशकों तक महिला आरक्षण बिल को संसद में लटकाते और फाड़ते रहे, आज उन्हें नारी शक्ति का वंदन करने का कोई हक नहीं है।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य कार्यक्रम के बाद सीधे भदौही पहुंचे बीजेपी अध्यक्ष नबीन ने महिलाओं के सम्मान को आस्था से जोड़ा। भीड़ में उन्होंने कहा कि मैं उस आदि शक्ति माँ विंध्यवासिनी के चरणों में शीश नवाने जा रहा हूं, जिनसे यह पूरी सृष्टि संचालित होती है। माता विंध्यवासिनी गवाह हैं कि नारी है तब ही यह संसार है। जो लोग महिलाओं का अपमान करते हैं, वे दरअसल इस संसार के अस्तित्व को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिला आरक्षण को ठंडे बस्ते में डाल रखा था। सदन में बिल की प्रतियां फाड़ने वाले लोग आज किस मुंह से महिलाओं की बात करते हैं? लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कर दिखा दिया कि भाजपा कथनी में नहीं, करनी में विश्वास रखती है। बात दें कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन का यह जनपद में पहला दौरा था, जिसे कार्यकर्ताओं ने यादगार बना दिया। औराई चौराहे पर स्वागत का आलम यह था कि सैकड़ों लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को गुलाब के फूलों की बारिश से नहला दिया, जिससे पूरा मार्ग फूलों की चादर से ढक गया। कार्यकर्ताओं के भारी हुजूम और गगनभेदी नारेबाजी के चलते अध्यक्ष का काफिला बमुश्किल आगे बढ़ा।

ऑस्ट्रेलिया से डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया से नियमों के उल्लंघन के आरोप में डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँच गया है, जिसमें से 11 व्यक्ति पंजाब के विभिन्न जिलों से संबंधित हैं। इन सभी यात्रियों के दिल्ली पहुँचते ही सुरक्षा एजेंसियों और इमिग्रेशन अधिकारियों ने करीब पाँच घंटे तक गहन पूछताछ की, ताकि डिपोर्ट किए जाने के वास्तविक कारणों और उनकी गतिविधियों का पूरा ब्यौरा जुटा सके। पंजाब सरकार ने मामले को गंभीरता से लेकर अपने प्रतिनिधियों और विशेष वाहनों का दल दिल्ली भेजा है, ताकि इन लोगों को सुरक्षित उनके गृह जिलों तक पहुँचाया जा सके। इसके लिए एक टेंपो ट्रैवलर और अन्य गाड़ियों का प्रबंध हवाई अड्डे पर ही किया गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डिपोर्ट किए लोग जालंधर, होशियारपुर, खन्ना, मोगा, नवांशहर, गढ़शंकर, तरनतारन, फिरोजपुर और रूपनगर जैसे इलाकों के निवासी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि इन नागरिकों ने ऑस्ट्रेलिया में प्रवास के दौरान वहां के स्थानीय नियमों का उल्लंघन किया था, जिसके परिणामस्वरूप ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने उन्हें वापस भारत भेजने का कठोर निर्णय लिया। वापस लौटे व्यक्तियों में जसवंत सिंह, अंग्रेज सिंह, सतिंदरजीत सिंह शेरगिल, गुरप्रीत सिंह संधू, जगजीत सिंह, जसप्रत सिंह, निर्मल सिंह, श्रुति शर्मा, रणजी सिंह, हरप्रीत सिंह और गगनदीप सिंह शामिल हैं, जिनकी उम्र 25 से 41 वर्ष के बीच है। यह घटनाक्रम पिछले साल अमेरिका द्वारा 104 अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किए जाने की याद दिलाता है, जिन्हें अमेरिकी वायुसेना के विमान से अमृतसर लाया गया था। अवैध इमिग्रेशन और विदेशी कानूनों की अनदेखी के कारण पंजाब के युवाओं का इस तरह डिपोर्ट होना एक चिंताजनक विषय बन गया है। फिलहाल, दिल्ली में औपचारिक कागजी कार्रवाई और वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन सभी को पंजाब पुलिस और सरकारी टीम की निगरानी में उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया है। राज्य सरकार अब इन मामलों के मूल कारणों की जांच कर रही है ताकि भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोका जा सके।

डीजे का शोर नहीं सह पाईं मुर्गियां, 140 की जान गई, पोल्ट्री फार्म संचालक ने डीजे कराई एफआईआर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी के जश्न में बज रहे तेज डीजे की आवाज बेजुबान पक्षियों के लिए काल बन गई। बल्दीराय थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव में एक पोल्ट्री फार्म के पास से गुजर रही बारात के डीजे की कानफोड़ू आवाज के कारण कथित तौर पर 140 मुर्गियों की दहशत से मौत हो गई। इस अनोखी घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरी घटना 25 अप्रैल की रात की है। गांव के निवासी बब्बन विश्वकर्मा की बेटी की शादी थी, जिसकी बारात कुड़वार के पूरे राम भद्र पुरवा से आई थी। बारात जब पूरे गाजे-बाजे और डीजे के साथ गांव की गलियों से गुजर रही थी, तभी रास्ते में साबिर अली का पोल्ट्री फार्म पड़ा। साबिर का आरोप है कि रात करीब 9:30 बजे जब डीजे उनके फार्म के सामने पहुंचा, तो उसकी ध्वनि सीमा इतनी अधिक थी कि मुर्गियों के दबड़े में अचानक अफरा-तफरी मच गई। तेज धमक और शोर के कारण मुर्गियां दहशत में आ गईं और देखते ही देखते 140 मुर्गियों ने दम तोड़ दिया। पीड़ित साबिर अली ने बताया कि उन्होंने डीजे ऑपरेटर से आवाज कम करने का अनुरोध भी किया था, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। मुर्गियों की मौत के बाद हुए आर्थिक नुकसान से आहत साबिर ने बल्दीराय थाने में न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता और पशु क्रूरता के पहलुओं को देखते हुए परसीपुर निवासी डीजे संचालक कवि यादव के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक एमडी ताहुर खान यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या डीजे निर्धारित डेसिबल मानकों का उल्लंघन कर रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज ध्वनि तरंगें और भारी बेस छोटे पक्षियों के दिल की धड़कन को अनियंत्रित कर देते हैं, जिससे उन्हें कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) पड़ने का खतरा रहता है। इस घटना ने एक बार फिर शादियों और अन्य समारोहों में ध्वनि प्रदूषण के नियमों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, गांव में यह मामला चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

बीजेपी नेता अग्रवाल ने की पायलट पर अपमानजनक टिप्पणी, कांग्रेस ने फूंका पुतला

बहरोड़ (एजेंसी)। राजस्थान में बीजेपी प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल ने कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट के खिलाफ की गई अपमानजनक और अनर्गल टिप्पणी ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। इस बयान के विरोध में बहरोड़ के कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और बीजेपी प्रभारी का पुतला दहन कर कड़ा विरोध जताया। पीसीसी महासचिव डॉ. आरसी यादव के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस ने बीजेपी को सीधी चेतावनी दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. यादव ने साफ कहा कि बीजेपी का यह कृत्य बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है और राधा मोहन अग्रवाल को अपने शब्द वापस लेते हुए सार्वजनिक रुप से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि माफी नहीं मांगी गई, तो आगामी चुनावों में राजस्थान की जनता बीजेपी को ऐसा सबक सिखाएगी कि उन्हें कहीं मुंह छुपाने की जगह नहीं मिलेगी। पायलट को बाहरी बताने के तर्क पर डॉ. यादव ने तीखा हमला करते हुए बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल खड़े किए। उन्होंने सवाल उठाया कि सचिन पायलट को बाहरी बताने वाली बीजेपी बताए कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी बनारस में पैदा हुए थे? डॉ. यादव ने कहा कि बनारस से प्रधानमंत्री का क्या रिश्ता है, फिर भी वे वहां से सांसद हैं। उन्होंने बीजेपी को नसीहत दी कि वे अपने गिरेबान में झांककर देखें।

उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड में मुठभेड़, तीन दुर्दांत बदमाश ढेर, पुलिस चला रही रही ऑपरेशन प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार आधी रात से लेकर गुरुवार सुबह तक उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड की पुलिस अपराधियों के लिए काल बनकर टूटी। अलग-अलग राज्यों में हुई जबरदस्त मुठभेड़ों में तीन इनामी और दुर्दांत अपराधियों को ढेर कर दिया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है। मुठभेड़ का सिलसिला उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से शुरू हुआ। यहां पुलिस ने जिम में हुए ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी और 50 हजार के इनामी बदमाश जीतू सैनी को मार गिराया। खुर्जा नगर क्षेत्र में हुई इस मुठभेड़ के दौरान जीतू सैनी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें स्वाट टीम प्रभारी और एक हेड कांस्टेबल घायल हो गए। हालांकि, बुलेट प्रूफ जैकेट की वजह से खुर्जा कोतवाल और एक अन्य पुलिसकर्मी की जान बच गई। पुलिस के मुताबिक, जीतू ने पिछले दिनों एक जिम में घुसकर तीन लोगों की हत्या की थी। इस मामले में अब तक 11 आरोपी नामजद हैं, जिनमें से पांच पहले ही पकड़े जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बिहार में भी गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजी। सीवान जिले में भाजपा नेता व पूर्व एमएलसी मनोज सिंह के भांजे हर्ष सिंह की हत्या के मुख्य आरोपी छोटू कुमार यादव को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल कर दबोच लिया। गुरुवार सुबह करीब 3 बजे हुई इस कार्रवाई में आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। आरोपी के पैर में गोली लगी है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि बुधवार शाम गाड़ी सटने के मामूली विवाद में हर्ष सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं, उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पुलिस ने साहस का परिचय दिया। प्रेमनगर इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर से दो लाख रुपये और मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाशों को पुलिस ने घेरा, तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश मारा गया, जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर दो फरार हो गए। इस मुठभेड़ में प्रेमनगर इंस्पेक्टर नरेश राठौर के हाथ में दो गोलियां लगी हैं। फिलहाल पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में सघन कॉम्बिंग अभियान चला रही है। तीनों राज्यों में हुई इन कार्रवाइयों ने साफ कर दिया है कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

केजरीवाल के बाद अब पाठक ने किया जस्टिस शर्मा के सामने पेश होने से इनकार

-पत्र में लिखा- वह सुनवाई के सिलसिले में केजरीवाल की जताई चिंताओं से सहमत

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद पार्टी नेता दुर्गेश पाठक ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में आबकारी 'घोटाला' मामले की सुनवाई में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के सामने पेश होने से इनकार कर दिया है। पाठक ने जस्टिस शर्मा को एक पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि वह सुनवाई के सिलसिले में केजरीवाल की ओर से जताई गई चिंताओं से सहमत हैं। केजरीवाल ने जस्टिस शर्मा पर हितों के टकराव का आरोप लगाते हुए घोषणा की है कि वह आबकारी मामले की सुनवाई में व्यक्तिगत स्तर पर या किसी वकील के जरिए हिस्सा नहीं लेंगे। पाठक, सिसोदिया और केजरीवाल सीबीआई की ओर से दायर उस पुनर्विचार याचिका में पक्षकार हैं, जिसमें आबकारी नीति मामले में उन्हें आरोपमुक्त किए जाने के फैसले को चुनौती गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाठक ने पत्र में कहा कि यह पत्र उस पुनर्विचार याचिका के सिलसिले में है, जो वर्तमान में इस कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। पाठक ने लिखा कि उन्होंने केजरीवाल के 27 अप्रैल के पत्र को पढ़ने के बाद यह फैसला लिया, जिसमें सुनवाई में निष्पक्षता और पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताई गई थी। इसी के मद्देनजर उन्होंने भी वर्तमान सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से या किसी वकील के जरिए हिस्सा न लेने का संकल्प लिया है। इस मामले में मेरी ओर से पेश वकालतनामा, यदि कोई हो तो, उसे विधिवत रूप से वापस लिया हुआ माना जाए।

पाठक ने कहा कि उनके पत्र कोर्ट के प्रति अनादर के संकेत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने संविधान और न्यायपालिका में अपनी आस्था दोहराई। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर भारत के संविधान और इस देश की न्यायपालिका की संस्थागत अखंडता में अपनी अटूट आस्था रखता हूं। उन्होंने अनुरोध किया कि पत्र को रिकॉर्ड में लिया जाए और कोर्ट की ओर से उचित एवं न्यायसंगत समझे जाने वाले तरीके से सुनवाई की जाए।

इस बीच दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने सवाल उठाया कि केजरीवाल के चिंता जताने के बाद जस्टिस शर्मा ने खुद को आबकारी मामले की सुनवाई से अलग क्यों नहीं कर लिया। आतिशी ने दावा किया कि जस्टिस शर्मा ने हाल में अन्य मामलों में ऐसा किया था। उन्होंने पूछा कि मौजूदा मामले में ऐसा क्या अलग है कि सुनवाई से अलग होने पर विचार नहीं किया गया।

महिला आरक्षण का विरोध कर कांग्रेस और सपा ने महिला-विरोधी अपनी मानसिकता को उजागर किया

-ईवीएम में पार्टी सिंबल के सामने की बटन को टेप से ब्लॉक करने का है आरोप

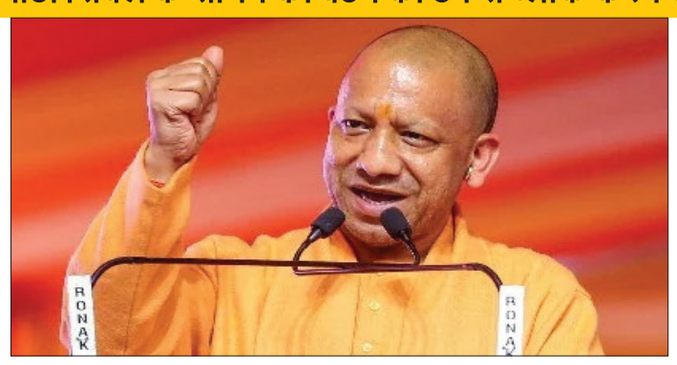

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला कर उन्हें महिला-विरोधी बताया। मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि संसद में महिला आरक्षण से जुड़े संवैधानिक संशोधन बिल का विरोध करके विपक्षी दलों ने अपनी असल मानसिकता देश के सामने ला दी है। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र की शुरुआत से पहले सीएम योगी ने विपक्षी इंडी गठबंधन पर देश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप भी लगाया।

विशेष सत्र शुरू होने से पहले यूपी विधानमंडल के बाहर एक प्रेस ब्रीफिंग में सीएम योगी ने कहा कि इंडिया गठबंधन महिला आरक्षण बिल का विरोध करके भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहता था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान महिलाएं पूरी तरह से असुरक्षित थीं। उन्होंने कहा कि यह विशेष सत्र विपक्ष द्वारा संसद में महिला आरक्षण बिल का समर्थन न करने के कदम पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया था।

सीएम योगी ने कहा, हर व्यक्ति सपा के खिलाफ लगे नारों से वाकिफ है... समाजवादी पार्टी और कांग्रेस महिला-विरोधी हैं, यह बात हर कोई जानता है। उन्होंने कहा, उनके पास महिला आरक्षण बिल का समर्थन करके अपनी छवि सुधारने का अच्छा मौका था, लेकिन उन्होंने इसका विरोध किया। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने महिला आरक्षण का विरोध सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अपनी सरकार द्वारा की गई पहलों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सशक्त बनाने की उनकी पहलों के लिए पीएम मोदी को भी धन्यवाद दे रहे है। उनके नेतृत्व में, बीजेपी और एनडीए ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

बात दें कि गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है, जिसका मुख्य विषय महिला आरक्षण है। वहीं समाजवादी पार्टी ने सत्र को लेकर बीजेपी की आलोचना कर कहा है कि भगवा पार्टी संसद में पारित न हो सके संवैधानिक संशोधन बिल को लेकर सदन में एक असंवैधानिक निंदा प्रस्ताव पेश करना चाहती है। पार्टी ने कहा कि बीजेपी लोगों को, और विशेष रूप से महिलाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। हम उस प्रस्ताव की कड़ी निंदा करते हैं जिसे वे लाना चाहते हैं।

शिमला में भारी ओलावृष्टि, 3 इंच मोटी परत बिछी : अगले 6 दिन बारिश के आसार

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और इसके आसपास के क्षेत्रों में 30 अप्रैल को हुई भीषण ओलावृष्टि ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है, जिससे कुफरी और ठियोग जैसे इलाकों में जमीन पर ओलों की तीन इंच मोटी सफेद चादर बिछ गई है। गुरुवार को दोपहर के समय अचानक हुए मौसमी बदलाव के कारण राजधानी में दिन में ही अंधेरा छा गया और सड़कों पर भारी फिसलन होने से यातायात बाधित हुआ। इस प्राकृतिक आपदा का सबसे दर्दनाक पहलू कृषि क्षेत्र पर पड़ा है, जहाँ सेब के बागानों के साथ-साथ मटर और फूलगोभी की नकदी फसलें पूरी तरह तबाह हुई हैं, जिससे बागवानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखकर शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों के लिए तत्काल तूफान और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है, जबकि चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जैसे क्षेत्रों को भी येलो अलर्ट पर रखा गया है। आगामी छह दिनों तक राज्य में मौसम के इसी तरह खराब रहने के आसार हैं, जिसमें 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली हवाएं और रुक-रुक कर होने वाली बारिश शामिल है। विशेष रूप से 3 और 4 मई को पूरे प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

केजरीवाल के शीशमहल-2 की तस्वीरें आईं सामने, भाजपा के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल हाल ही में अपने नए सरकारी आवास में शिफ्ट हुए हैं। उनके इस नए पते को लेकर राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केजरीवाल के इस नए बंगले को शीशमहल-2 करार देते हुए इसकी साज-सज्जा पर भारी खर्च के आरोप लगाए हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने केजरीवाल के साथ उनके आवास के भीतर की एक नई तस्वीर साझा कर इन दावों पर पलटवार किया है।

सोमनाथ भारती द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई इस तस्वीर में केजरीवाल एक बेहद सामान्य कमरे में बैठे नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों नेता एक सोफे के पास खड़े हैं और सामने एक छोटी स्टूल पर डायरी व पेन रखा हुआ है। भारती ने इस तस्वीर के साथ लिखा कि वह अपने नेता की इस बात के प्रशंसक हैं कि वे हर विचार को तुरंत नोट करते हैं और उस पर काम शुरू कर देते हैं। उन्होंने एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि केजरीवाल को आवंटित होने वाला हर नया घर प्रधानमंत्री आवास के और करीब होता जा रहा है, जो भविष्य के राजनीतिक संकेतों की ओर इशारा करता है। आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों का कड़ा खंडन किया है। पार्टी की मुख्य प्रवक्ता ने भाजपा द्वारा दिखाई गई तस्वीरों को इंटरनेट से डाउनलोड की गई फर्जी तस्वीरें बताया है। आप ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा झूठ और भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह कर रही है। सोमनाथ भारती द्वारा साझा की गई नई तस्वीर को पार्टी ने यह दिखाने के प्रयास के तौर पर पेश किया है कि केजरीवाल का जीवन और आवास साधारण है। फिलहाल, इस नए आवास को लेकर दिल्ली की राजनीति में जुबानी जंग तेज हो गई है। केजरीवाल अब 95, लोधी एस्टेट स्थित टाइप-7 सरकारी बंगले में रह रहे हैं, जो उन्हें एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते केंद्र सरकार द्वारा आवंटित किया गया है। भाजपा ने इस बंगले की विलासिता को लेकर हमला बोला है। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि इस घर में सुविधाओं के लिए निजी धन खर्च किया गया है और इसकी साज-सज्जा किसी आम आदमी की नहीं बल्कि उच्चवर्गीय व्यक्ति की पसंद है। उन्होंने कुछ फर्नीचर की तस्वीरें साझा कर इसे शीशमहल के पुराने विवाद से जोड़ने की कोशिश की।

पुरी जगन्नाथ मंदिर में लागू होगा सख्त ड्रेस कोड

जींस-पैंट पहनकर महिलाओं के प्रवेश पर लग सकती है रोक

पुरी (एजेंसी)। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिरों की तर्ज पर अब ओडिशा के विश्वप्रसिद्ध 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं के लिए औपचारिक पोशाक नियम (ड्रेस कोड) लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। ओडिशा राज्य विधि आयोग ने राज्य सरकार को सिफारिश भेजी है कि मंदिर की पवित्रता और हिंदू सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए एक विशिष्ट ड्रेस कोड को कानूनी रूप दिया जाए। इस सिफारिश में विशेष रूप से महिलाओं के जींस, पैंट या शर्ट पहनकर मंदिर में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया गया है।

न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता वाली विधि समिति ने सुझाव दिया है कि श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम में संशोधन कर पोशाक संहिता की स्पष्ट परिभाषा जोड़ी जानी चाहिए। आयोग के अनुसार, मंदिर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं का पहनावा हिंदू संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। प्रस्तावित नियमों के तहत, पुरुष तीर्थयात्रियों के लिए धोती-कुर्ता, पैंट-कमीज, चूड़ीदार-पजामा या कंधे पर गमछा रखना निर्धारित किया गया है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए साड़ी-ब्लाउज या सलवार-कमीज अनिवार्य करने का सुझाव है। 10 वर्ष से कम आयु की लड़कियां फ्रॉक या गाउन पहन सकेंगी, लेकिन महिलाओं के लिए पश्चिमी परिधानों जैसे जींस और शर्ट पर पूरी तरह रोक की सिफारिश की गई है।

हालांकि, मंदिर प्रशासन ने 1 जनवरी 2024 से ही हाफ पैंट, फटी जींस और बिना आस्तीन के कपड़ों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी, लेकिन कानूनी प्रावधानों की कमी के कारण इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका। शोधकर्ताओं का मानना है कि अधिनियम में संशोधन होने से मंदिर की मर्यादा और आध्यात्मिक वातावरण को बल मिलेगा। पूर्व मंदिर प्रशासक प्रदीप दास के अनुसार, शालीन वस्त्र केवल दिखावा नहीं, बल्कि भक्त के भीतर विनम्रता और शांति का भाव जागृत करते हैं, जिससे वे आध्यात्मिक रूप से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। दूसरी ओर, कुछ विद्वानों का मत है कि इस नियम को बदलते सामाजिक परिवेश और विदेशी पर्यटकों की जरूरतों को देखते हुए संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य किसी को रोकना नहीं, बल्कि मंदिर की गरिमा बनाए रखना है। वर्तमान में राज्य का विधि विभाग इन सिफारिशों पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो पुरी आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए यह एक बड़ा बदलाव होगा।

विजय क्या केजरीवाल जैसी सफलता हासिल करेंगे या प्रशांत की तरह होगा हश्र?

तमिलनाडु विधानसभा के एग्जिट पोल के नतीजों ने छेड़ दी राजनैतिक बहस

नई दिल्ली(एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए हैं। इन अनुमानों ने तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) को लेकर सबसे दिलचस्प सवाल खड़ा हो गया है कि क्या विजय थलपति दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जैसी बड़ी सफलता हासिल करने वाले हैं या फिर उनका हश्र प्रशांत किशोर के बिहार प्रयोग जैसा होगा। इसका जवाब, कम से कम आज के लिए इस बात पर निर्भर करता है कि कोई किस एग्जिट पोल पर भरोसा कर रहा है। ज्यादातर अनुमान टीवीके को 10-24 सीटें मिलने का लगा रहे हैं, जो कि एक शानदार शुरुआत है।

ज्यादातर एक्जिट पोलों के मुताबिक विजय की पार्टी मुख्य दावेदार होने के बजाय खेल बिगाड़ने की भूमिका में हो सकती है। कुछ पोलों ने टीवीके के लिए 10-12 सीटों का अनुमान लगाया है, जबकि पीपुल्स प्लस इसे 18-24 सीटों के साथ ज्यादा मजबूत स्थिति में बता रहा है। एग्जिट पोल्स के नतीजे बता रहे हैं कि शहरी और युवा वोटरों के बीच विजय की पार्टी की अच्छी पकड़ है। इस स्थिति में विजय की पार्टी मौजूदा सरकार के खिलाफ पड़ने वाले वोटों को बांट सकती है, जिससे परोक्ष रूप से डीएमके को फायदा हो सकता है, लेकिन एक ऐसा अनुमान भी सामने आया जो सबसे अलग है। एक्सिस माय इंडिया ने टीवीके की सीटों में जबरदस्त उछाल का अनुमान लगाया है, जिसके मुताबिक विजय की पार्टी को 98-120 सीटें मिल सकती हैं। अगर 4 मई को ये आंकड़े सच साबित होते हैं, तो विजय रातों-रात तमिलनाडु की राजनीति के केंद्र में आ जाएंगे। ऐसा होने पर विजय, केजरीवाल की लीग में शामिल हो जाएंगे। एक ऐसा नया चेहरा जो न सिर्फ अपनी जगह बनाता है, बल्कि राज्य की राजनीति का केंद्र बन जाता है और विजय के पास अपनी सुपरस्टार थलाइवर वाली छवि भी है। एक ऐसी चीज जो तमिलनाडु में सालों से काम करती आई है, जैसा कि एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता के उभार के समय देखा गया था।

हालांकि 2013 के दिल्ली चुनाव के विपरीत जहां केजरीवाल सिर्फ भ्रष्टाचार-विरोधी लहर के सहारे आगे बढ़े थे तमिलनाडु का चुनावी मुकाबला काफी पेचीदा है, यह द्रविड़ राजनीति, मजबूत पार्टी तंत्र और दशकों पुरानी मतदाताओं की वफादारी में गहराई से जुड़ा हुआ है। टीवीके का अच्छा प्रदर्शन भी सत्ता नहीं दिला सकता, जब तक कि वह अपनी लोकप्रियता को बूथ-स्तर तक न पहुंचा दे। एक ऐसा क्षेत्र जहां डीएमके और अन्नाद्रमुक जैसे स्थापित खिलाड़ियों को स्पष्ट बढ़त हासिल है।

अगर टीवीके का प्रदर्शन अनुमानों के निचले दायरे में ही रहता है, तो भी वह सत्ता के लिए तत्काल चुनौती पेश किए बिना, वोटों के हिस्से और भविष्य के गठबंधनों को बदलने में कामयाब हो सकता है। तो क्या विजय अगले ऐसे बाहरी नेता हैं जो अपनी लहर को जनादेश में बदल सकते हैं, जैसा कि कभी केजरीवाल ने किया था? या फिर वह भी किशोर की शुरुआती राजनीतिक कोशिशों की तरह कोई खास असर छोड़ने में नाकाम रहेंगे? इस सवाल का जवाब तो 4 मई को ही साफ हो पाएगा।

गौतम बुद्ध के उपदेश और आज की दुनिया में उनकी प्रासंगिकता

सुनील कुमार महला

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है।

हर वर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा तिथि पर बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु के नौवें अवतार महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 1 मई 2026, शुक्रवार को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल की रात 09 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर 1 मई 2026 की रात 10 बजकर 52 मिनट तक प्रभावी रहेगी। उदया तिथि के अनुसार यह पर्व 1 मई को मनाया जाएगा। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बोधि) और महापरिनिर्वाण-तीनों की स्मृति को समर्पित है। इस अवसर पर देश-विदेश में श्रद्धालु ध्यान, प्रार्थना, दान और अहिंसा के संदेश का पालन करते हैं। विशेषकर बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर जैसे पवित्र स्थलों पर बड़े आयोजन होते हैं। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हमें करुणा, शांति और मध्यम मार्ग के सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा देता है, जिससे मानव जीवन में नैतिकता और सद्भाव का विकास होता है।पाठकों को बताता चलूं कि वैशाख पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा', 'पीपल पूर्णिमा' और 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि यह दिन भगवान विष्णु को भी समर्पित माना जाता है, क्योंकि पुराणों के अनुसार महात्मा बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना गया है। स्कन्द पुराण में वैशाख मास को समस्त मासों में श्रेष्ठ बताया गया है, इसलिए यह मास विष्णु भगवान को अत्यंत प्रिय है। इस दिन भगवान विष्णु के सत्यनारायण स्वरूप की पूजा की जाती है। पद्म पुराण और मत्स्य पुराण में वैशाख मास में स्नान और दान को श्रेष्ठ बताया गया है-वैशाखे मासि स्नानं च, दानं च विशेषतः। इस मास में पवित्र तीर्थों पर स्नान, दान-पुण्य और व्रत से मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है। शक्कर, तिल, पंखे, जूते-चप्पल, घड़ा, दूध-खीर, अन्न-वस्त्र आदि का दान अत्यंत पुण्यकारी

माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रदेव को अर्घ्य देना शुभ फलदायी होता है। साथ ही मां लक्ष्मी की पूजा से घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है। उन्हें बताशा, खीर, मिठाई, नारियल और कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस दिन भगवान राम और हनुमान जी की पूजा भी की जाती है तथा हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। पितरों के निमित्त पिंडदान करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है और परिवार में शांति एवं समृद्धि आती है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भगवान गौतम बुद्ध को 'एशिया का प्रकाश' कहा जाता है। उनका जन्म 563 ईसा पूर्व नेपाल के कपिलवस्तु स्थित लुम्बिनी वन में वैशाख पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन शाक्यवंश के राजा थे और माता महामाया थीं। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था और उनका पालन-पोषण राजकुमार के रूप में हुआ। बाद में उन्होंने सांसारिक जीवन त्यागकर सत्य की खोज की।

आज के संदर्भ में देखा जाए तो उनका जन्म नेपाल में हुआ, लेकिन उनकी कर्मभूमि भारत रही। यहीं उन्हें बोधि प्राप्त हुई और यहीं से उन्होंने संपूर्ण विश्व को ज्ञान का संदेश दिया। आज जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, चीन, वियतनाम, ताइवान, तिब्बत, भूटान, कंबोडिया, हांगकांग, मंगोलिया, थाईलैंड, मकाऊ, म्यांमार, श्रीलंका जैसे अनेक देश बौद्ध संस्कृति से प्रभावित हैं। पाठक जानते हैं कि महात्मा बुद्ध ने जीवन में अहिंसा, करुणा, शांति, मैत्री और बंधुत्व का संदेश दिया। उनके अनुसार मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। शुद्ध विचारों से किया गया कर्म सुख देता है और अशुद्ध विचार दुख का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि तीन चीजें कभी छुपाई नहीं जा सकतीं-सूर्य, चंद्रमा और सत्य। उनका यह भी संदेश था कि एक दीपक हजारों दीपक जला सकता है, फिर भी उसकी रोशनी कम नहीं होती, इसी प्रकार सद्गुण बांटने से कम नहीं होते। बुद्ध के अनुसार व्यक्ति को वर्तमान में जीना चाहिए, क्योंकि भूतकाल और भविष्य में खोकर दुख ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बुराई से बुराई को नहीं जीता जा सकता, प्रेम से ही संसार जीता जा सकता है। जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तविक विजेता है। क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और क्रोध से स्वयं को ही नुकसान होता है। उनका यह भी कहना था कि केवल ज्ञान पढ़ना या सुनना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसे जीवन में न अपनाया जाए उसका कोई लाभ नहीं। बुद्ध ने यह स्पष्ट किया कि उनके उपदेशों को बिना जांचे स्वीकार न किया जाए। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी बुद्धि और अनुभव से सत्य को परखे। उनका धर्म तर्कसंगत, वैज्ञानिक सोच पर आधारित और अंधविश्वास विरोधी था। वे मानते थे कि संसार में अंतिम और अपरिवर्तनीय कुछ भी नहीं है, केवल परिवर्तन ही सत्य है।

बहरहाल, आज विश्व में कई क्षेत्रों में युद्ध और तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, भारत-चीन सीमा विवाद, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया तनाव और ईरान-इजराइल तनाव वैश्विक शांति के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे समय में बुद्ध के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं, क्योंकि उन्होंने युद्ध का पूर्ण विरोध किया और कहा कि हर युद्ध में केवल विनाश और पीड़ा होती है।

उन्होंने 'आष्टांगिक मार्ग' बताया-सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। यही मार्ग मनुष्य को राग, द्वेष, मोह, लोभ, घृणा और भय से मुक्त करता है। इन्हीं विकारों से हिंसा, शोषण, अन्याय, आतंकवाद और युद्ध उत्पन्न होते हैं। आज की दुनिया में तनाव, अवसाद, आर्थिक असमानता और नैतिक गिरावट बढ़ रही है, ऐसे में बुद्ध का मार्ग समाधान प्रस्तुत करता है। इतना ही नहीं, उन्होंने पंचशील सिद्धांत भी दिए।मसलन -चोरी न करना, व्यभिचार न करना, झूठ न बोलना, नशा न करना आदि। साथ ही उन्होंने सामाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और नैतिक जीवन पर बल दिया।बुद्ध ने यह भी कहा कि घृणा को घृणा से नहीं जीता जा सकता, उसे केवल प्रेम से जीता जा सकता है। वास्तव में, क्रोध में हजारों शब्दों को गलत बोलने से अच्छा मौन वह एक शब्द है जो शांति लाता है। उनका यह संदेश आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पहले था।

अंततः बुद्ध पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि शांति, करुणा, अहिंसा और मानवता का संदेश देने वाला पावन दिन है। यह हमें गौतम बुद्ध के जीवन से प्रेरणा लेकर संयम, सत्य, सद्भाव और विश्व शांति के मार्ग पर चलने की सीख देता है। आज के तनावपूर्ण वैश्विक समय में यह पर्व मानवता को एकता, प्रेम और सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

संपादकीय

राहतकारी हो आईसीयू

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खचीर्ली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिदेर्शों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिदेर्शों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निदेर्शों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी। निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती हैं जब उसका क्रियान्वयन आधे-अधूरे ढंग से किया जाता रहा है।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

संतोष कुमार पाठक

देश के चार राज्यों- असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों-कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है।

जाहिर है कि इन पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन- एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे।

बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरूआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध्यक्ष चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10-15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला-बदला नजर आएगा।

कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरूआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी-शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अभी भी इस बात पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनेगा। ऐसे में जाहिर से बात है कि कांग्रेस को राहुल और प्रियंका गांधी से इतर जाकर अन्य युवा नेताओं की तरफ देखना पड़ेगा। इस रेस में फिलहाल सचिन पायलट सबसे आगे बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, दोनों के चहेते नेता सचिन पायलट को आने वाले दिनों में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, अगर अशोक गहलोत ने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं के साथ मिलकर कोई और खेला नहीं कर दिया तो। ध्यान दीजिएगा कि, यह अकारण नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गहलोत बार-बार पायलट की बगावत का किस्सा सुनाने में लगे हुए है। लेकिन अगर पायलट का नाम पीछे छूट भी गया तो भी राहुल गांधी को पार्टी के लिए नया और वो भी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तो ढूंढना ही पड़ेगा। कांग्रेस के अंदर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गुटबाजी पर लगाम कसने के लिए खड़गे को मुख्यमंत्री बनाकर बेंगलुरू भेजा जा सकता है और उनकी जगह पर दिल्ली में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को बैठाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि अगर खड़गे कर्नाटक जाएंगे तो फिर पार्टी को राज्यसभा में भी अपना नया नेता चुनना पड़ेगा। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संगठन महासचिव भी किसी युवा नेता को ही बनाना पड़ेगा और उसके बाद कांग्रेस मुख्यालय में भी नए चेहरों की संख्या बढ़ जाएगी।

यह तय मान कर चलिए कि बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन में मई के महीने में ही बदलाव होना तय है। हालांकि कांग्रेस में बदलाव की यह रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है।

मेहनत की नींव पर टिकी दुनिया: मजदूरों के संघर्ष, योगदान और वर्तमान चुनौतियों की गाथा

कांतिलाल मांडोत

मानव सभ्यता के विकास की कहानी अगर ध्यान से पढ़ी जाए तो उसके हर पन्ने पर मजदूरों की मेहनत, पसीना और संघर्ष साफ दिखाई देता है। चाहे ऊंची-ऊंची इमारतें हों, विशाल पुल हों, फैक्ट्रियां हों या फिर खेतों में लहलहाती फसलें–हर जगह एक मजदूर की मेहनत छिपी होती है। फिर भी विडंबना यह है कि समाज के इस सबसे महत्वपूर्ण वर्ग को अक्सर वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके वे हकदार हैं। इसी सच्चाई को याद दिलाने और मजदूरों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक संघर्ष की याद है। यह उन दिनों की कहानी कहता है जब मजदूरों को 15-16 घंटे तक काम करना पड़ता था, बिना किसी निश्चित समय सीमा और बिना पर्याप्त वेतन के। 19वीं सदी के अंत में जब औद्योगिक क्रांति अपने चरम पर थी, तब मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। ऐसे समय में उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और 8 घंटे कार्य दिवस की मांग की। यह मांग धीरे-धीरे एक बड़े आंदोलन में बदल गई, जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज जो हमें 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे अपने लिए का सिद्धांत मिलता है, वह इन्हीं संघर्षों की देन है।

भारत में मजदूरों की स्थिति भी अलग नहीं रही। आजादी से पहले और उसके बाद भी मजदूर वर्ग ने कई कठिनाइयों का सामना किया। 1 मई 1923 को भारत में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया, जिसने श्रमिक आंदोलनों को एक नई दिशा दी। इसके बाद धीरे-धीरे मजदूरों के अधिकारों के लिए कानून बनाए गए, जिनमें न्यूनतम मजदूरी, कार्य समय, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। लेकिन कागजों पर बने ये नियम आज भी पूरी तरह जमीन पर लागू नहीं हो पाए हैं।

आज के समय में भी मजदूरों की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को आज भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें नियमित रोजगार नहीं मिलता, वेतन अस्थिर होता है और सामाजिक सुरक्षा का अभाव रहता है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को देखें तो वे कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, लेकिन उनके पास न तो उचित सुरक्षा उपकरण होते हैं और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं।

ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण में मजदूरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे तपती धूप में, कड़कती सर्दी में और कभी-कभी बारिश में भी लगातार काम करते हैं। उनके बिना शहरों का विकास संभव ही नहीं है। लेकिन इन्हीं इमारतों के बनने के बाद अक्सर मजदूरों को वहां रहने का अधिकार नहीं मिलता। वे झुग्गियों या अस्थायी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव होता है।

सरकार ने मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना ने कई गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा दिया है और उन्हें पलायन से भी रोका है। लेकिन इसके बावजूद कई बार इस योजना के क्रियान्वयन में खामियां देखने को मिलती हैं, जैसे समय पर भुगतान न होना या काम की कमी।

वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने मजदूरी के स्वरूप को भी बदल दिया है। आज के दौर में पारंपरिक मजदूरी के साथ-साथ गिग इकॉनमी और फ्रीलांसिंग जैसे नए विकल्प सामने आए हैं। हालांकि इससे कुछ लोगों को नए अवसर मिले हैं, लेकिन इससे रोजगार की स्थिरता कम हुई है। कई मजदूर अब ठेका प्रणाली के तहत काम करते हैं, जिससे उन्हें स्थायी नौकरी और उससे जुड़ी सुविधाएं नहीं मिल पातीं।

कोरोना महामारी ने मजदूरों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया था। लॉकडाउन के दौरान लाखों मजदूरों को अपने काम से हाथ धोना पड़ा और उन्हें अपने गांवों की ओर पलायन करना पड़ा। यह दृश्य आज भी लोगों के मन में ताजा है, जब मजदूर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर अपने घर पहुंचे थे। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि हमारे समाज में मजदूरों की स्थिति कितनी असुरक्षित है।

महिलाओं की स्थिति मजदूर वर्ग में और भी चुनौतीपूर्ण है। उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और कई बार उन्हें दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है,घर और काम दोनों की। इसके अलावा उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं के लिए विशेष नीतियों और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

मजदूर दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम वास्तव में अपने मजदूरों के प्रति न्याय कर पा रहे हैं? क्या उन्हें वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही हैं, जिनके वे हकदार हैं? केवल एक दिन उन्हें सम्मान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें पूरे साल उनके हितों के लिए काम करना होगा।

समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूरों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके लिए न केवल कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता भी बढ़ानी होगी। मजदूरों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें संगठित करना भी जरूरी है, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकें।

अंततः, मजदूर केवल एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हमें उनके योगदान को समझना होगा और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। मजदूर दिवस हमें यही संदेश देता है कि सम्मान, समानता और न्याय केवल शब्द नहीं, बल्कि हर मजदूर का अधिकार है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वित्त एवं लेखाधिकारी के प्रति एस.सी एस .टी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन संगठन का आक्रोश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में एस.सी एस .टी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष करतार सिंह के नेतृत्व में सैकड़ो शिक्षक एवं शिक्षिकाए एकत्रित होकर वित्त एवं लेखा अधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने लेखाधिकारी के कार्यालय द्वारा संगठनो के प्रति असंवैधानिक निर्गत आदेश 24 अप्रैल को निरस्त करने की मांग की। उक्त आदेश को निरस्त न करने पर आन्दोलन की चेतावनी दी तथा शिक्षको के सभी

लम्बित कार्यो को एक सप्ताह के अन्दर निस्तारित कराने की भी पुरजोर मांग की गई इन सभी समस्याओ से सम्बन्धित एक विशाल ज्ञापन सौपा गया। इस अवसर पर प्रकाश सिंह विनोद कुमार गौतम नीरज निमल ओम प्रकाश त्रिपाठी जगबीर सिंह रूपेंद्र सिंह सुरेंद्र प्रकाश व्यास शोभित सिंह पंकज आर्य अमीचन्द सिंह उमा देवी प्रमोद कुमार आर्य प्रकाश सिंह सत्य प्रकाश सिंह कावेन्द्र सिंह ऋषिपाल सिंह बलवान सिंह करन पाल सिंह निर्देश कुमार धर्मेंद्र सिंह विजेंद्र सिंह भागीरथ सिंह सुंदरलाल राजकुमार सत्यवीर सिंह सुमित कुमार करतार सिंह सुनील कुमार हरवीर सिंहमोहित कुमार विजयकान्त सीमा देवी आदि सैकडो शिक्षक एवं शिक्षिकाए उपस्थित रहे।

उद्दिमयो की समस्याओं का हो प्राथमिकता से निस्तारण- अपर जिलाधिकारी न्यायिक

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय मासिक उद्योग बन्धु समिति की बैठक का आयोजन किया गया । अपर जिलाधिकारी ने उद्योग बंधुओं की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि उद्योग बंधुओं की किसी भी समस्या में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी प्राथमिकता के साथ उनकी समस्याओं का निस्तारण हो।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी बिंदुओं को प्राथमिकता के साथ निस्तारण कराया जाए आज जो बिंदु उठाए गए हैं उनका निस्तारण हर हाल में अगली बैठक तक अवश्य हो जाए। उद्योग कर्मियों की समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता से लिया जाए। अपर जिलाधिकारी ने लंबित निवेश मित्र के प्रकरणों को संबंध विभाग जल्द से जल्द निस्तारण के निर्देश संबंधित को दिए इसी के साथ अपर जिलाधिकारी ने ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के लक्ष्य के सम्बन्ध में और एम0ओ0यू0 की समीक्षा कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में उपायुक्त उद्योग सहित अन्य संबंधित औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधि बंधु उपस्थित रहे।

कुन्दन मॉडल इंटर कॉलेज में विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान में तथा डीएलएसए सचिव/न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास के निर्देशन में कुन्दन मॉडल इंटर कॉलेज, मोहल्ला पीरगढ़, अमरोहा में एक विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पीएलवी महेश सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए शिविर के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों एवं उपलब्ध निःशुल्क विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक करना है। शिविर में प्रतिभागियों को विभिन्न

महत्वपूर्ण कानूनों, उनके प्रावधानों, सरकारी योजनाओं तथा निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी विस्तार से दी गई। इसके साथ ही लोक अदालत की प्रक्रिया, उसके महत्व तथा आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से मामलों के निस्तारण के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि सर्वोच्च न्यायालय में लंबित वादों के निस्तारण हेतु 21 अप्रैल 2026 से विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। शिविर में लगभग 120 छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की और कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, समस्त स्टाफ सदस्य, पीएलवी महेश सिंह, प्रीति एवं मोनिका देवी उपस्थित रहे।
कार्यक्रम का समापन छात्रों को जागरूक नागरिक बनने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के संदेश के साथ किया गया।

परिवारों में संस्कारित वातावरण का निर्माण के बिना हिंदू राष्ट्र का निर्माण असंभवः- संजय गोयल

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को हसनपुर क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में राष्ट्र सेवी संगठन के सौजन्य से संगठन संस्थापक सदस्य रूपचंद्र चौहान के आवास पर शांतिकुंज हरिद्वार के साधकों द्वारा गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में विश्व शान्ति की कामना को लेकर आहुतियां अर्पित की गईं। इस अवसर पर उपस्थित यज्ञ पुरोहित संजय गोयल एवं अंजू गोयल ने बताया कि गांव गांव देवस्थान तो बने हुए हैं लेकिन आवाजाही एवं धार्मिक आयोजनों के बिना सूने पड़े रहते हैं। धार्मिक स्थलों पर सप्ताह में कम से कम एक बार सामूहिक आयोजन किया जाना आवश्यक है। परिवारों में संस्कारित वातावरण का निर्माण नियमित साधना उपासना एवं यज्ञ आदि के आयोजन से ही संभव है। बिना संस्कार के मानव जीवन में शान्ति संभव नहीं है और न ही भारत के हिंदू राष्ट्र होने की कल्पना की जा सकती है।
इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा,रूपचंद्र चौहान, निर्दोषदेवी, पुष्पा देवी,कुसुमलता, गायत्री देवी,ओमपाल सिंह, छत्रपाल सिंह, थल प्रकाश, कैलाश सिंह, आदि दर्जनों श्रद्धालु मौजूद रहे।

हसनपुर पुलिस ने चोरी की घटना का किया खुलासा,02 शातिर चोर किये गिरफ्तार

हसनपुर/अमरोहा जनपद की हसनपुर कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए 02 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है।
बता दें कि अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में हसनपुर पुलिस ने चोरी की घटना के मामले में कार्यवाही करते हुए 02 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से पुलिस ने एक मोटरसाइकिल बरामद की है। क्षेत्र में हुई इस चोरी की घटना के मामले में हसनपुर पुलिस को यह महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। इस मामले में पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक 29 अप्रैल को वादी गोविंद कुमार पुत्र देवराज निवासी ग्राम कमालपुर सराय, शाहपुर, थाना हयात नगर ,जनपद संभल द्वारा तहरीर देकर अज्ञात अभियुक्त के खिलाफ ग्राम सिरसा गुर्जर में एक मोटरसाइकिल चोरी किए जाने की संबंध में

अभियोग पंजीकृत कराया गया था, घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी कैमरों तथा स्थानीय सूचना तंत्र के आधार पर गजरौला रोड पर बंद पड़े पेट्रोल पंप से अभियुक्त जगत सिंह पुत्र चुन्ना निवासी ग्राम सिरसा गुर्जर, थाना हसनपुर ,जनपद अमरोहा एवं राजू पुत्र शिवकुवर निवासी ग्राम सिरसा गुर्जर, थाना हसनपुर ,जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों की कब्जे से मोटरसाइकिल बरामद की, जिसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के द्वारा किए गए अपराध की संबंधित धाराओं में चालान करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

सैदनगली क्षेत्र में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत की गई 24 उऊश कैमरों की स्थापना,पुलिस द्वारा नागरिक सहभागिता का किया गया उत्साहवर्धन

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश व अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी एवं थानाध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में थाना सैदनगली क्षेत्र में ह्लऑपरेशन त्रिनेत्रह्व अभियान को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर अपराधों की रोकथाम करना तथा संभावित घटनाओं को घटित होने से पूर्व ही नियंत्रित करना है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा सकती है, जिससे बाहरी अथवा असामाजिक तत्वों द्वारा किसी भी आपराधिक घटना को अंजाम देने की संभावना न्यूनतम हो जाती है थाना सैदनगली पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरे निम्न ग्राम व कस्बा उझारी ,कस्बा सैदनगली ,मैन बाजार व थाना क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थानों पर लगवाये गये। इसके अलावा आपको बता दें कि इससे पूर्व भी थाना सैदनगली पुलिस द्वारा कस्बा सैदनगली, प्रमुख हॉस्पिटलों, प्रमुख चौराहों एवं अन्य ग्रामों में सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जा चुके हैं, जो अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।
इस सराहनीय पहल के लिए स्थानीय नागरिकों द्वारा पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। इस अवसर पर थानाध्यक्ष विकास कुमार द्वारा सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने वाले नागरिकों को सम्मानित किया गया तथा उनका उत्साहवर्धन किया गया ।अंत में आमजन से अपील की गई कि कस्बा एवं ग्रामों के मुख्य चौराहों तथा आने-जाने वाले मार्गों पर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जाएं, ताकि क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जा सके और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

मंडी धनौरा पुलिस ने पांच वांछित वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना मंडी धनौरा पुलिस ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में कार्यवाही करते हुए पांच वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है जो काफी लंबे समय से आर्म्स एक्ट,चोरी ,धोखाधड़ी एवं आबकारी अधिनियम जैसे गंभीर मामलों में फरार चल रहे थे। पुलिस ने गिरफ्तार पांचो आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।
बता दें कि अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में मंडी धनौरा पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आर्म्स एक्ट, चोरी,माल बरामदगी

,धोखाधड़ी और आबकारी अधिनियम जैसे गंभीर मामलों में काफी लंबे समय से फरार चल रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ उक्त अपराधों के संबंध में अभियोग पंजीकृत थे। जिन्हें पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्रों देवीपुरा, चौहड़पुर, मोहद्दीनपुर, पपसरा बांगर और बिजनौर से गिरफ्तार किया है जिनके खिलाफ न्यायालय से वारंट जारी थे। गिरफ्तार आरोपियों में बिजनौर निवासी कमल सैनी भी शामिल है जिस पर चोरी की बाइक बेचने और धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज हैं। थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी गिरफ्तार वारटियों को नियमानुसार न्यायालय भेज दिया गया है ,न्यायालय के आदेश पर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इसके अलावा पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा यूं ही कसा जाएगा।

अवर अभियंता (सिविल) मुख्य परीक्षा (प्रा0अ0प0-2023)/08 की तैयारियों के संबंध में की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप की अध्यक्षता और अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया की उपस्थित में कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ के अंतर्गत अवर अभियंता (सिविल) मुख्य परीक्षा (प्रा0अ0प0-2023)/08 दिनांक 03 मई, 2026 को पूर्वाहन 10.00 बजे से 12.00 बजे तक होने वाली परीक्षा की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई। अपर जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, कार्यदाई संस्था निर्धारित प्रक्रियानुसार परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्षता एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए लगन, सजगता, आत्मानुशासन एवं समयबद्धता से सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न करायी जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों पर महिला अभ्यर्थियों की जांच अनिवार्य रूप से महिला कार्मिकों द्वारा की जाए। उन्होने सख्त निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्र के अन्दर उपस्थित सभी कार्मिक अपने फोटोयुक्त पहचान पत्र जरूर प्रदर्शित करें। सीएमओ को निर्देश दिए कि सभी केंद्रों पर

एम्बुलेंस और मेडिकल टीम उपलब्ध रहे। उन्होने निर्देश दिए कि सभी मजिस्ट्रेट पुलिस अधिकारी के साथ निरीक्षण कर परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की जांच कर लें अगर कहीं कोई कमी पाई जाती है तो उसको कल तक दुरुस्त कर लें। ए०के०के० इण्टर कालेज, अमरोहा, भगवत सरन इण्टर कालेज, जोया, राजकीय बालिका इण्टर कालेज, अमरोहा, राजकीय इण्टर कालेज, अमरोहा, आई०एम० इण्टर कालेज, अमरोहा, जे०एस०एच० इण्टर कालेज, अमरोहा, जे०एस०एच० पीजी कालेज, अमरोहा, कुन्दन माडल इण्टर कालेज, अमरोहा और सिक्ख इण्टर कालेज, नारंगपुर में संपन्न होगी। नकल विहीन और शुचितापूर्ण परीक्षा आयोजित कराने के संबंध में उन्होंने कहा कि परीक्षा के संबंध में भर्ती बोर्ड द्वारा जारी निदेर्शों का कड़ाई से शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं बेहतर प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। कक्ष निरीक्षकों की अच्छी तरह से ब्रीफिंग और ट्रेनिंग करा दी जाये। परीक्षा के दौरान सभी अधिकारी भ्रमणशील रहें। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि समस्त परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगा दी गई है। अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की गई है। स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारी, केंद्र व्यवस्थापक सभी को अपनी ड्यूटी बहुत ही अच्छे से करनी है। उक्त परीक्षा के संबंध में जो पुस्तिका है उसको ठीक से पढ़ ले ताकि किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने आने वाले अभ्यर्थियों के लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। बैठक में सैक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित

चन्दनपुर चीनी मिल में गन्ना सर्वेक्षण हेतु दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण- गन्ना सर्वेक्षण की शुद्धता को प्राथमिकता

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- त्रिवेणी चीनी मिल चन्दनपुर में एच.एच.टी. मशीनों द्वारा सर्वे हेतु प्रशिक्षण दिया गया। आयुक्त गन्ना एवं गन्ना, उ०प्र० लखनऊ के द्वारा जारी सर्वे पॉलिसी के अनुपालन में रामजीवन, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, चन्दनपुर / गजरौला एवं राजेश कुमार, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक अमरोहा द्वारा चीनी मिल चन्दनपुर के सभागार में गन्ना सर्वे कार्य को पारदर्शी बनाने हेतु विभाग एवं चीनी मिल के साथ संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में समस्त राजकीय पर्यवेक्षकों एवं चीनी मिल सुपरवाइजर को जी.पी.एस. युक्त एंड्रॉएड एच.एच.टी. मशीनों से सर्वे करने का आसान तरीका बताया। मिल ऐप के तकनीकी संचालन का गहनता से अभ्यास कराया और गत वर्षों की भांति कार्यप्रणाली को अपनाते हुए इस बार भी सर्वेक्षण के समस्त आंकड़े सीधे गन्ना विकास विभाग के मुख्य सर्वर पर ऑनलाइन एक्सपोर्ट किये जायेंगे। गन्ना सर्वे का यह महत्वपूर्ण कार्य 01 मई से प्रारम्भ होकर 30 जून तक पूर्ण किया जाना है। इस सत्र में केवल पौधा गन्ने का विस्तृत सर्वे किया जायेगा और गत वर्ष का पौधा गन्ना जो पेड़ी गन्ने में परिवर्तित होगा, उसका मात्र सत्यापन किया जायेगा। पेराई सत्र 2026-27 के लिए नए सदस्य बनने और उपज बढ़ोत्तरी हेतु रसीद कटवाने की अन्तिम तिथि 30 सितम्बर निर्धारित है।
चीनी मिल के महाप्रबन्धक (गन्ना) आर.एस. सहरावत द्वारा गतवर्ष गन्ना सर्वेक्षण के समय की गई त्रुटि की पुनरावृत्ति न करते हुए तथा गन्ना सर्वेक्षण 2026 हेतु दिये गये विभागीय निदेर्शों विशेषकर सही प्रजातियां दर्ज करते हुए शुद्ध गन्ना सर्वेक्षण करने पर जोर दिया तथा आई.टी. हेड श्री बाबूराम सैनी के द्वारा एच.एच.टी. एंड्रायड मशीन का तकनीकी जानकारी व सर्वेक्षण कार्य में प्रयोग के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। गन्ना सर्वेक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुरेश शर्मा, प्रमोद कुमार सिंह, संजीब मलिक, समस्त राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक, चन्दनपुर, गजरौला एवं अमरोहा व चीनी मिल के समस्त सुपरवाइजर, कर्मचारी आदि उपस्थित हुए।

तेज आंधी और बारिश से बदला मौसम का मिजाज, भीषण गर्मी से मिली राहत

बहजोई/संभल। जनपद के बहजोई क्षेत्र में गुरुवार शाम मौसम ने अचानक करवट ले ली। दिनभर चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को उस वक्त बड़ी राहत मिली जब शाम होते-होते तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। अचानक बदले मौसम ने पूरे क्षेत्र का माहौल सुहाना कर दिया।

बताया जा रहा है कि शाम 5 बजे के बाद आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगीं। देखते ही देखते धूल भरी आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक हुई बारिश से सड़कों पर हल्का फुल्का पानी भर गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। गर्मी से बेहाल लोगों ने राहत की सांस ली और कई लोग घरों से बाहर निकलकर ठंडी हवा का आनंद लेते नजर आए।

हालांकि तेज हवाओं के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जिससे यातायात भी आंशिक रूप से प्रभावित हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश से फसलों को लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, वहीं कुछ किसानों ने तेज हवा से नुकसान की आशंका भी जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम का मिजाज इसी तरह बदलता रह सकता है, जिससे गर्मी से राहत मिलने की संभावना बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतें और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें। कुल मिलाकर, अचानक हुई इस बारिश ने जहां एक ओर लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी ओर मौसम का यह बदला रूप लोगों के लिए चर्चा का विषय बना रहा।

गाली गलौच के विरोध पर मारपीट, सरिया से हमला,महिला ने दी तहरीर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के राधे-राधे कॉलोनी में गुरुवार सुबह एक मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि गाली-गलौच का विरोध करने पर एक व्यक्ति ने घर के सामने मारपीट शुरू कर दी और बीच-बचाव करने आए परिजन पर सरिया से हमला कर दिया।

पीड़िता पूनम पत्नी जितेन्द्र ने कोतवाली बहजोई में दी गई तहरीर में बताया कि सुबह करीब 11 बजे विनोद पुत्र देवराज उनके घर के आगे आकर गाली-गलौच करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उनके साथ मारपीट की। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे उनके चचेरे ससुर मुकेश पुत्र बनवारी ने बीच-बचाव किया तो आरोप है कि विनोद ने मुकेश के सिर पर सरिया से वार कर दिया, जिससे उनके माथे पर गंभीर चोट आ गई।

पीड़िता का कहना है कि घटना के दौरान आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। घायल मुकेश को उपचार के लिए ले जाया गया है।

पूनम ने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, कोतवाली पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस लाइन में गरिमामय विदाई समारोह का किया गया आयोजन

सेवानिवृत्त क्षेत्राधिकारी यातायात मनोज कुमार सिंह को दी गई भावभीनी विदाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस लाइन बहजोई में गुरुवार को एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए क्षेत्राधिकारी यातायात मनोज कुमार सिंह को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सम्भल मनोज कुमार रावत ने सेवानिवृत्त अधिकारी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। साथ ही शॉल ओढ़ाकर एवं फूलमाला पहनाकर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखद भविष्य की कामना भी की गई।

समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मनोज कुमार सिंह के सेवा काल को याद करते हुए उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। वक्ताओं ने उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में विभाग की गरिमा को सदैव बनाए रखा।

कार्यक्रम के अंत में भावुक माहौल के बीच उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर जनपद के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी मौजूद रहे।

ग्यारह वर्षीय बालक को पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

हयातनगर/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक 11 वर्षीय बालक के लापता होने की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रूखसार पत्नी खुर्शीद निवासी ग्राम भैसिया थाना कटघर, जिला मुरादाबाद ने थाना हयातनगर पहुंचकर सूचना दी कि उनका पुत्र फैसल (11) घर से पीला खदाना, सरायतरीन स्थित मदरसे में पढ़ने के लिए निकला था। रास्ते में वह अपने खलेरे भाई इमरान पुत्र अमीर हसन निवासी मोहल्ला चकली, सरायतरीन के पास गया, लेकिन इसके बाद वह मदरसे नहीं पहुंचा और लापता हो गया।

सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। चौकी प्रभारी अवधेश कुमार ने अपनी टीम हेड कांस्टेबल विपिन कुमार, कांस्टेबल अजय कुमार और कांस्टेबल अनिल कुमार के साथ तत्काल क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और बच्चे की फोटो दिखाकर स्थानीय लोगों से पूछताछ की।

काफी प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने फैसल को मोहल्ला पीला खदाना, सरायतरीन क्षेत्र में घूमते हुए सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद उसे उसकी माता रूखसार, पिता खुर्शीद, परिजनों को सौंप दिया गया। अपने बेटे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की तत्परता व मेहनत की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

घंटाघर मंदिर में राष्ट्रीय पुजारी परिषद की बैठक आयोजित

संगठन विस्तार के साथ पदाधिकारियों की घोषणा, पुजारियों के हितों को लेकर उठाई गई मांगें

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- चंदौसी नगर के घंटाघर मंदिर परिसर में गुरुवार को राष्ट्रीय पुजारी परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष पंडित हरिओम शर्मा ने की, जबकि संचालन पुजारी पंडित अमरपाल शर्मा द्वारा किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए परिषद के संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तोगी ने बताया कि राष्ट्रीय पुजारी परिषद का गठन कोरोना काल के दौरान पुजारियों और पुरोहितों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से किया गया था। उन्होंने कहा कि परिषद का मुख्य उद्देश्य पुजारियों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। इसके लिए सरकार से मंदिरों के पुजारियों को प्रतिमाह 40,000 वेतन दिए जाने की मांग की गई है, साथ ही मंदिरों के संरक्षण पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 20 अप्रैल 2022 को पुजारी एवं पुरोहित कल्याण बोर्ड बनाने की घोषणा को जल्द से जल्द लागू करने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने सुझाव दिया कि बड़े मंदिरों की आय का 50 प्रतिशत हिस्सा छोटे मंदिरों के विकास पर खर्च किया जाए, जिससे उनकी स्थिति में सुधार हो सके।

श्याम कृष्ण रस्तोगी ने यह भी बताया कि परिषद मंदिरों में हिंदू संस्कार केंद्र स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है, जिससे नई पीढ़ी को सनातन धर्म का ज्ञान मिल सके। साथ ही धार्मिक त्योहारों को लेकर भ्रम की स्थिति को समाप्त कर समाज में एकजुटता बनाए रखने पर भी बल दिया गया।

बैठक के दौरान संगठन विस्तार करते हुए नगर इकाई में नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई, जिसमें अरविंद मिश्रा एवं शिवओम तिवारी को उपाध्यक्ष, विवेक उपाध्याय को महामंत्री, गौरव शर्मा व कमल शर्मा को मंत्री तथा हर्ष को प्रचार मंत्री नियुक्त किया गया। सभी उपस्थित लोगों ने ह्यॐह्ल की ध्वनि के साथ इन घोषणाओं का स्वागत किया।

इस अवसर पर मुरादाबाद से आए पुजारी महेंद्र, पंडित हिरदेश शर्मा, नन्हेंलाल शर्मा, रामसेवक शर्मा, पंडित मोहित शर्मा, पंडित राजेंद्र प्रकाश शर्मा, सुरेश शर्मा, दीनदयाल शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अर्दली रूम का आयोजन,लंबित विवेचनाओं के शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

जुनावई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना जुनावई में गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत द्वारा अर्दली रूम का आयोजन किया गया। इस दौरान थाने पर लंबित विवेचनाओं एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों की समीक्षा की गई।

अपर पुलिस अधीक्षक ने विवेचकों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों का जल्द से जल्द विधिक व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक प्रकरण में निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है।

उन्होंने विवेचकों से कहा कि प्रकरणों की गहनता से जांच करते हुए समयबद्ध तरीके से कार्रवाई करें, ताकि आमजन को त्वरित न्याय मिल सके। साथ ही, शिकायतकताओं के साथ संवेदनशील व्यवहार रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। इस दौरान थाना स्टाफ मौजूद रहा और सभी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

डिडौली क्षेत्र में सड़क हादसा,एक युवक की मौत,एक घायल

स्कूल वाहन व बाइक ठेली की टक्कर लगने से हुआ हादसा

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा गुरुवार की सुबह जोया बंबूगढ़ मार्ग पर पतखोई गांव के निकट हुआ। बताया जा रहा है कि एक स्कूल वाहन का स्टेरिंग फेल होने के बाद वह बिजली के खंबे से टकरा गया और फिर एक बाइक ठेली से जा टकराया जिससे बाइक ठेली पर सवार युवक की मौत हो गई और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

बता दें कि पूरा मामला बृहस्पतिवार की सुबह का है जहां जोया बंबूगढ़ मार्ग पर अमरोहा की ओर जा रहे टाटा मैजिक स्कूल वाहन का स्टेरिंग अचानक फेल हो गया , और वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े बिजली के खंबे से जा टकराया जिसके बाद उसकी अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बाइक ठेली से टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक ठेली सवार 37 वर्षीय से दिलशाद पुत्र रियाज निवासी मोहल्ला अहमदनगर ,थाना अमरोहा, नगर की मौके पर मौत हो गई वहीं उसके साथ सवार उसके साढू दानिश निवासी दिल्ली दरवाजा ,थाना नखासा, जिला संभल गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद टाटा मैजिक का चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर डिडौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची ,पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायल दानिश को अस्पताल उपचार के लिए भर्ती कराया ।पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को भी कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक युवक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

गंगा एक्सप्रेसवे पर मिला घायल,युवक उपचार के बाद किया गया रेफर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में बुधवार रात दो अलग-अलग हुई सड़क दुर्घटनाओं में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पहली घटना में राधे श्याम पुत्र बदन सिंह (40) निवासी मझावली थाना बनियाठेर और सुरेश पुत्र सोमपाल (35) निवासी मुजफ्फरपुर थाना हयातनगर मोटरसाइकिल से भात कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मझावली से गुन्नौर जा रहे थे। इसी दौरान गांव धनारी से आगे आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल राधे श्याम को पीआरवी के कांस्टेबल सन्नी उज्ज्वल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया गया।

दूसरी घटना में दिशांत वैश्य पुत्र भगवान स्वरूप (35) निवासी मोहल्ला काजीटोला, अलीगढ़ गंगा एक्सप्रेसवे पर घायल अवस्था में मिले। सूचना पर पहुंची यूपीडा की एम्बुलेंस द्वारा उन्हें सीएचसी बहजोई लाया गया।

वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल संभल के लिए रेफर किया गया, लेकिन परिजन उन्हें आगे इलाज के लिए चंदौसी के एक निजी अस्पताल ले गए। दोनों घटनाओं से क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। पुलिस मामलों की जांच में जुटी हुई है।

भीम आर्मी प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात, कार्रवाई की मांग

बनियाठेर/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बनियाठेर क्षेत्र के ग्राम अलीपुर बुजुर्ग (बड़ागांव) में बारात के दौरान हुए विवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। गुरुवार को भीम आर्मी (भारत एकता मिशन) का एक प्रतिनिधिमंडल पूर्व जिलाध्यक्ष सुधीर कुमार सागर के नेतृत्व में पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंचा और घटना की जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, बुधवार को गांव निवासी तेजपाल की बेटी की बारात चढ़ रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने कथित रूप से डॉ. भीमराव आंबेडकर से जुड़े गीत बजाने का विरोध किया और बारात रोककर मारपीट व पथराव किया। आरोप है कि इस दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौच भी की गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद दबाव के बीच शादी की रस्में पूरी कराई गईं। पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। इसके बाद टीम थाना बनियाठेर पहुंची और मामले में दर्ज एफआईआर के आधार पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

सुधीर कुमार सागर ने कहा कि गांव में पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आती रही हैं, लेकिन अब संगठन अन्याय के खिलाफ मजबूती से खड़ा रहेगा और ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में राजीव कुमार (पूर्व जिला संयोजक), धीर सिंह (जिला उपाध्यक्ष), संजय कुमार भारतीय (जिला उपाध्यक्ष), नदीम मलिक (ब्लॉक अध्यक्ष) सहित प्रशांत, गुलाम मोहम्मद, राजकुमार, रिंकू, गुरप्रीत सिंह, अभिषेक, शाहरुख, अजीत सिंह और आकाश आदि मौजूद रहे।

बिजनौर में नकली किन्नर बनकर वसूली करने वाला युवक पकड़ा, हंगामा

बिजनौर (सब का सपना):- शहर में नकली किन्नर बनकर लोगों से पैसे वसूलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार एक युवक किन्नर का रूप धारण कर बधाई के नाम पर घर-घर जाकर पैसे मांग रहा था। स्थानीय लोगों को जब युवक की गतिविधियों पर शक हुआ तो उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान मामला संदिग्ध लगने पर मौके पर मौजूद लोगों ने उसकी पिटाई भी कर

दी, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

इसी दौरान कुछ असली किन्नर मौके पर पहुंचे और युवक को अपने साथ कार में बैठाकर ले गए। बताया जा रहा है कि युवक पर बधाई के नाम पर जबरन पैसे वसूलने का आरोप है।

घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। हालांकि इस मामले में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि या कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।

बिजनौर में युवती ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में अज्ञात युवक पर प्रताड़ना का आरोप

युवती के फोन में मिली संदिग्ध चैट और वीडियो कॉल; एसपी बिजनौर ने कहा— 'सर्विलांस की मदद से जल्द होगी आरोपी की गिरफ्तारी'

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के थाना कोतवाली शहर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम फरीदपुर भोगी में साइबर बुलिंग और डिजिटल प्रताड़ना से तंग आकर एक युवती द्वारा मौत को गले लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका ने अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें एक अज्ञात युवक द्वारा उसे मानसिक रूप से परेशान किए जाने का जिक्र है। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक बिजनौर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना बीते 28 अप्रैल की है। परिजनों ने शुरूआत में बिना पुलिस को सूचना दिए मृतका का दाह संस्कार कर दिया था। हालाँकि, बाद में मृतका के पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ, जिसके बाद

परिजनों ने आज थाने पहुँचकर न्याय की गुहार लगाई और प्रार्थना पत्र सौंपा।

एसपी ने बताया कि सुसाइड नोट में किसी युवक द्वारा परेशान किए जाने का उल्लेख तो था, लेकिन उसका नाम या मोबाइल नंबर दर्ज नहीं था। जब पुलिस ने मृतका का फोन चेक किया, तो उसमें दो-तीन अज्ञात नंबरों से चैट और वीडियो कॉल के साक्ष्य मिले। जब परिजनों ने उन संदिग्ध नंबरों में से एक पर कॉल किया, तो दूसरी ओर से एक वर्दीधारी युवक ने वीडियो कॉल कर परिजनों को डराया-धमकाया। इस आधार पर परिजनों को आशंका है कि यह पूरा प्रकरण साइबर बुलिंग से जुड़ा हुआ है।

सर्विलांस टीम की मदद से तलाश जारी

पुलिस अधीक्षक ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बताया कि परिजनों की तहरीर पर तत्काल अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। संदिग्ध मोबाइल नंबरों को सर्विलांस पर लगा दिया गया है ताकि आरोपी की सही लोकेशन और पहचान सुनिश्चित की जा सके। एसपी ने भरोसा दिलाया है कि साइबर सेल और स्थानीय पुलिस की टीमें मिलकर जल्द ही आरोपी को सलाखों के पीछे पहुँचाएंगी।

साइबर सुरक्षा के प्रति रहें सतर्क

इस घटना ने एक बार फिर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्म पर सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। 'पहल टुडे' अपने पाठकों, विशेषकर युवाओं और उनके परिजनों से अपील करता है कि यदि कोई भी अज्ञात व्यक्ति ऑनलाइन प्रताड़ित या ब्लैकमेल करे, तो डरे नहीं; तुरंत अपने परिजनों और पुलिस को सूचित करें।

प्रशासन की लापरवाही ने ली मासूम की जान, चांदपुर नुमाइश में ऊंचे झूले से गिरकर फैज की मौत

नियमों को ताक पर रखकर हो रहा था झूलों का संचालन, बिना फिटनेस जांच के चल रहे थे मौत के झूले

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के चांदपुर थाना क्षेत्र में आयोजित नुमाइश मेले में बुधवार की रात एक रूह कंपा देने वाला हादसा हो गया। सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही के चलते एक युवक, फैज, की ऊंचे झूले से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना ने मेले में झूलों के संचालन और प्रशासन द्वारा दी गई अनुमति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फैज नुमाइश मेले में एक बड़े और तेज रफ्तार वाले झूले पर सवार था। झूला जब अपनी पूरी गति में था, तभी अचानक वह अनियंत्रित होकर नीचे आ गिरा। जमीन पर गिरते ही फैज लहूलुहान हो गया। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मेले में अफरा-तफरी मच गई और झूला संचालक मौके से फरार हो गए।

ग्रामीणों और परिजनों का गंभीर आरोप है कि नुमाइश मेले में झूलों का संचालन नियमों को ताक पर रखकर किया जा रहा था। नियमानुसार, किसी भी बड़े झूले के संचालन से पहले उसकी तकनीकी जांच (फिटनेस सर्टिफिकेट) अनिवार्य है, लेकिन यहाँ पुलिस और प्रशासन की कथित मिलीभगत से बिना किसी सुरक्षा जांच के ही परमिशन दे दी गई। झूलों में न तो पर्याप्त सुरक्षा बेल्ट थी और न ही नीचे कोई सुरक्षा जाली का इंतजाम था। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ित परिवार का कहना है कि यह केवल एक हादसा नहीं बल्कि 'प्रशासनिक हत्या' है। अगर समय रहते प्रशासन झूलों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की जांच करता, तो फैज आज जिंदा होता। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम (PM) के लिए भेज दिया है, लेकिन अभी तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी या झूला संचालक के खिलाफ ठोस कार्रवाई न होने से जनता में भारी रोष है। नुमाइश मेलों में अक्सर भीड़ और झूलों की रफ़्तार पर कोई नियंत्रण नहीं रहता। चांदपुर की इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि मुनाफे के चक्कर में लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। क्या जिला प्रशासन इन झूलों की परमिशन देने वाले अधिकारियों और फिटनेस की अनदेखी करने वाली टीम पर कार्रवाई करेगा? किसी भी मेले में जाने से पहले झूलों की सुरक्षा स्वयं भी परखें। आपकी थोड़ी सी सावधानी आपकी जान बचा सकती है। प्रशासन को चाहिए कि तत्काल प्रभाव से जिले के सभी मेलों में झूलों की सघन जांच की जाए।

पेट्रोल पंप के पास बंद पड़े मैरिज हॉल में लगी भीषण आग, हाईवे पर मचा हड़कंप

जेन पेट्रोल पंप के ठीक बगल में स्थित हॉल में भड़की लपटें; फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना शेरकोट क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे पर स्थित एक बंद पड़े मैरिज हॉल में गुरुवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास ही स्थित पेट्रोल पंप तक खतरा मंडराने लगा, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुँचकर मोर्चा संभाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शेरकोट में नेशनल हाईवे पर जेन पेट्रोल पंप के बिल्कुल पास स्थित एक मैरिज हॉल, जो पिछले कुछ समय से बंद पड़ा है, के भीतर से अचानक धुआं और आग की लपटें निकलने लगीं। चूंकि

घटनास्थल के ठीक बगल में पेट्रोल पंप था, इसलिए किसी बड़े हादसे की आशंका से हाईवे पर वाहनों के पहिए थम गए और हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों की सूचना पर शेरकोट पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तत्काल मौके पर पहुँचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और इसे पेट्रोल पंप की ओर बढ़ने से रोक दिया, जिससे एक बड़ी त्रासदी होने से टल गई। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, इसे अज्ञात माना जा रहा है। पिछले साल भी इसी वक्त लगी थी आग

इस घटना ने क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म कर दिया है। बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष भी इन्हीं दिनों में इसी मैरिज हॉल में आग लगने की घटना हुई थी। लगातार दूसरे साल एक ही समय पर एक ही स्थान पर आग लगना लोगों के गले नहीं उतर रहा है। क्या यह कोई इत्तेफाक है या हॉल के भीतर सुरक्षा मानकों की अनदेखी, यह अब जांच का विषय है। थाना शेरकोट पुलिस का कहना है कि आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि बंद पड़े हॉल के भीतर आग कैसे भड़की। सुरक्षा के मद्देनजर पेट्रोल पंप कर्मियों को भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, स्योहारा क्षेत्र में सुबह हुआ दर्दनाक हादसा

बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हो गई। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे कंट्रोल रूम के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति ट्रेन से गिर गया है, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके पर मिले दस्तावेजों के आधार पर मृतक की पहचान गुलशन कुमार (उम्र करीब 24 वर्ष) पुत्र निर्पेंद्र सिंह निवासी ग्राम जूझेला,

थाना स्योहारा के रूप में हुई। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। प्रारंभिक रूप से यह आशंका जताई जा रही है कि युवक चलती ट्रेन से गिरा, जिससे उसकी जान चली गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल मौके पर कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

डिबाई नगर में लगातार हो रही विद्युत कटौती को लेकर, अधिशासी अभियंता विद्युत को सौपा ज्ञापन

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर में हो रही अनियमित विद्युत कटौती से परेशान व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के सदस्यों ने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर समस्या से जल्द समाधान की मांग की है।

संस्थान के सदस्यों ने बताया कि पिछले कई दिनों से दिन-रात बिना सूचना के विध्युत कटौती की जा रही है,जिससे गर्मी में लोगों को बहुत परेशानी हो रही है। छोटे बड़े व्यापार भी प्रभावित हो रहे हैं।

ज्ञापन मिलने के बाद विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने कहा कि समस्या संज्ञान में है। बुधवार को आंधी तूफान आने की वजह से पेड़ों से जो परेशानियां हुई हैं और बिल भुगतान कनेक्शन डिस्कनेक्ट करने के कारण जो कटौती हर कनेक्शन पर हो रही थी। उसका भी एक समय

सीमा निर्धारित की जाएगी यदि दिन में किसी कारणवश एक से डेढ़ घंटे लाइन पर शटडाउन रहेगा तो वह सुबह 5:00 बजे से 6:30 वाली रोस्टिंग कटौती नहीं की जाएगी और उम्मीद है कि आने वाले 2-3 दिनों में आपूर्ति सामान्य हो जाएगी।

इस दौरान व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के नगर अध्यक्ष सन्नी सिंघल एवं महामंत्री रचित वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष अंशुल वार्ष्णेय ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो अनशन पर बैठकर आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

इस दौरान अरुण कुमार(बाटा वाले) राकेश अग्रवाल, राकेश वार्ष्णेय,विकास गर्ग,भोला सर्राफ, जितिन साहनी,लकी अग्रवाल,रवि वार्ष्णेय, सौरभ वार्ष्णेय,गोपाल कोहली आदि सैकड़ा व्यापारी मौजूद रहे।

धूल भरी आंधी के बाद बूंदाबांदी से थमा गर्मी का सितम

सुहाने मौसम का बच्चों और बुजुर्गों ने उठाया लुत्फ, आंधी से कई जगह गिरे पेड़

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप की मार झेल रहे स्योहारा वासियों के लिए गुरुवार की शाम राहत भरी खबर लेकर आई। अचानक चली तेज हवाओं और धूल भरी आंधी के बाद हुई हल्की बूंदाबांदी ने मौसम को पूरी तरह बदल दिया। चिलचिलाती गर्मी से बेहाल लोगों को इस खुशनुमा बदलाव से बड़ी राहत मिली है। दिनभर की उमस के बाद शाम को हुई हल्की बारिश के चलते स्योहारा की सड़कों और बाजारों में ठंडक का एहसास देखने को मिला। तेज हवाओं ने जहां वातावरण को साफ किया, वहीं बूंदों की फुहार ने तपती धरती को सुकून पहुँचाया। गर्मी से राहत मिलते ही लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए और सुहाने मौसम का जमकर आनंद लिया। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के चेहरों पर इस राहत की मुस्कान साफ देखी गई। मौसम जहाँ एक ओर राहत लेकर आया, वहीं बारिश से पहले आई तेज आंधी ने क्षेत्र में थोड़ा नुकसान भी पहुँचाया। तेज हवाओं के दबाव के कारण क्षेत्र में कई स्थानों पर पेड़ों के टूटने और टहनियां गिरने की खबरें प्राप्त हो रही हैं। कुछ जगहों पर पेड़ों के गिरने से आवागमन और विद्युत आपूर्ति भी आंशिक रूप से प्रभावित हुई है।

मई की शुरूआत से पहले ही जिस तरह से गर्मी अपना प्रचंड रूप दिखा रही थी,

उसके बीच इस बूंदाबांदी ने 'कूलर-एसी' के बिना ही लोगों को ठंडक का अहसास करा दिया है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो इस बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे आने वाले एक-दो दिनों तक लू के प्रकोप से राहत मिलने की उम्मीद है।

उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग पर रोक, किसानों से संतुलित खेती अपनाने की अपील

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला निगरानी समिति की बैठक में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग पर चिंता जताते हुए इसे कम करने पर जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि ज्यादा उर्वरक इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता घट रही है और जल स्रोत भी प्रदूषित हो रहे हैं।

समिति ने किसानों से संतुलित उर्वरक उपयोग करने और जैविक खेती अपनाने की अपील की। गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट और जैविक उर्वरकों को बढ़ावा देने के साथ मृदा परीक्षण के आधार पर ही उर्वरक इस्तेमाल की सलाह दी गई है।

साथ ही ग्राम स्तर पर जागरूकता शिविर और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा उर्वरक वितरण की निगरानी भी की जाएगी। किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिकतम 7 बोरी यूरिया और 5 बोरी डीएपी उपयोग करने की सलाह दी गई है।

समिति ने कम उर्वरक- स्वस्थ धरती अभियान को अपनाने का आह्वान करते हुए टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

दीवार गिरने से बड़ा हादसा टला, अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाई

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- मोहल्ला पुख्ताबाजार के रामागंज में अवैध रूप से जमा रेत के भारी दबाव से करीब 100 फीट लंबी दीवार गिर गई। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्र को घेरकर सुरक्षा व्यवस्था की और लोगों को दूर रहने की सलाह दी। जेसीबी से मलबा हटाया जा रहा है। नगर पालिका टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रेत हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं। पुलिस ने जेसीबी व ट्रैक्टर कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित की तहरीर पर कार्रवाई की तैयारी है।

नौकरी के नाम पर ठगी करने वाला संपादक पत्नी सहित गिरफ्तार

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद के छतारी में अपराधियों और जालसाजों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में छतारी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है पुलिस ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर आम जनता से लाखों की धोखाधड़ी करने वाले एक कथित संपादक और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया है वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में हुई कार्रवाई एसएसपी दिनेश कुमार सिंह, के आदेशानुसार एसपी देहात अंतरिक्ष जैन, के कुशल निर्देशन और सीओ मधुप कुमार सिंह, के पर्यवेक्षण में छतारी थाना प्रभारी नरेन्द्र सिंह, की टीम ने यह कार्रवाई की पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्तों की तलाश में दबिश देते हुए जनपद हापुड़ के पिलखुआ से दोनों को धर दबोचा

पत्रकारिता की आड़ में चल रहा था ठगी का धंधा गिरफ्तार अभियुक्त बबलू सक्सेना खुद को खबरों की विशेषता नामक हिन्दी समाचार पत्र का संपादक बताता था पुलिस जांच में सामने आया कि वह पत्रकारिता की आड़ में पिछले कई वर्षों से भोले-भले लोगों को सरकारी व निजी विभागों में नौकरी लगवाने का लालच देकर उनसे मोटी रकम हड़पता था इस जालसाजी में उसकी पत्नी बरखा सक्सेना भी बराबर की भागीदार थी अपराधिक इतिहास और गिरफ्तारी पुलिस के अनुसार इन दोनों के खिलाफ जनपद हापुड़ के विभिन्न थानों में पहले से ही धोखाधड़ी और जालसाजी के कई मामले दर्ज है गिरफ्तार अभियुक्त बबलू सक्सेना पुत्र सुरेन्द्र सक्सेना निवासी जग्गा कॉलोनी, पिलखुआ, हापुड़ मूल निवासी एटा, बरखा सक्सेना पत्नी बबलू सक्सेना छतारी पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है पुलिस अब इनके अन्य नेटवर्क और शिकार हुए लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है गिरफ्तार करने वाली टीम में छतारी थाना प्रभारी नरेन्द्र कुमार, एस आई कपिल कुमार, रोहित कुमार, शिवम कुमार, महिला शगुन मौजूद रहे।

इंटर हाउस फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता उत्साहपूर्वक संपन्न

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- बी.आर. इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नर्सरी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए इंटर हाउस फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना था। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न आकर्षक वेशभूषाओं में भाग लिया, जिसमें किसी ने पेड़, फूल, सूरज और बादल बनकर प्रकृति का संदेश दिया, तो किसी ने फल व सब्जियों के माध्यम से स्वस्थ जीवन का महत्व बताया। कुछ बच्चों ने जानवरों और पक्षियों का रूप धारण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, वहीं कई बच्चों ने डॉक्टर,

शिक्षक, पुलिस और किसान बनकर समाज में उनके योगदान को दर्शाया। प्रत्येक बच्चे ने अपने पात्र से संबंधित 1झ2 सरल पंक्तियां भी आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कीं, जिससे उपस्थित सभी शिक्षक अत्यंत प्रसन्न हुए। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अंशु भाटी ने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उन्हें मंच पर स्वयं को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करती हैं, वहीं चेयरमैन अमित नागर ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें सामाजिक जागरूकता और आत्मविश्वास भी बढ़ाती हैं। कार्यक्रम का समापन उत्साह और खुशी के साथ हुआ तथा यह आयोजन बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव साबित हुआ।

हरियाणा के कुख्यात अपराधी अनिल उर्फ लीला को हाईकोर्ट से राहत, उम्रकैद की सजा निलंबित; 14 साल से काट रहा था सजा

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने रोहतक के बहुचर्चित हत्या मामले में उम्रकैद की सजा भुगत रहे कुख्यात आरोपित अनिल उर्फ लीला को महत्वपूर्ण राहत देते हुए उसकी सजा को अपील लंबित रहने तक निलंबित कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि आरोपी 14 वर्ष से अधिक वास्तविक कारावास भुगत चुका है और वर्ष 2025 की अपील के शीघ्र सुनवाई की संभावना कम होने के कारण यह राहत दी जा रही है। हालांकि, कोर्ट ने साथ ही साफ कर दिया कि हरियाणा के इस मामले में सजा निलंबन का लाभ उसे अन्य 16 गंभीर मामलों में स्वत नहीं मिलेगा। जस्टिस हरसिमरन सिंह सेठी और जस्टिस दीपक मनचंदा की खंडपीठ के समक्ष यह मामला के रूप में सुनवाई के लिए आया। अनिल उर्फ

लीला को वर्ष 2009 में रोहतक के सांपला थाना में दर्ज हत्या, हत्या के प्रयास, आपराधिक साजिश, दंगा और आर्म्स एक्ट समेत गंभीर धाराओं में दोषी ठहराया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, रोहतक ने 31 मई 2024 को उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी।याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया कि आरोपी 14 वर्षों से अधिक समय से जेल में बंद है और अपील लंबित रहने के कारण निकट भविष्य में अंतिम निर्णय संभव नहीं दिखता। इस आधार पर सजा निलंबन की मांग की गई। दूसरी ओर हरियाणा सरकार ने विरोध करते हुए कहा कि आरोपित पर महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ आर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम सहित 16 अन्य गंभीर मामले लंबित हैं, जिनमें वह फिलहाल जमानत पर नहीं है इसलिए इस मामले में राहत मिलने के बावजूद वह जेल से बाहर नहीं आ सकेगा। खंडपीठ ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि लंबी कैद और अपील के शीघ्र निस्तारण की कम संभावना को देखते हुए केवल इसी आधार पर सजा निलंबित की जाती है। अदालत ने आदेश दिया कि यदि आरोपित किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है तो पर्याप्त जमानत और मुचलके पर रिहा किया जा सकता है। साथ ही कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि भविष्य में उसका आचरण खराब पाया गया तो यह राहत वापस ली जा सकती है। हाई कोर्ट ने विशेष रूप से स्पष्ट किया कि इस आदेश का अन्य लंबित मामलों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और प्रत्येक मामले में राहत मेरिट के आधार पर ही तय होगी। ऐसे में कानूनी रूप से यह आदेश अनिल उर्फ लीला को आंशिक राहत तो देता है, लेकिन उसके खिलाफ लंबित संगठित अपराध और आतंकवाद संबंधी मामलों के चलते उसकी वास्तविक स्वतंत्रता अभी भी अन्य अदालतों के निर्णयों पर निर्भर रहेगी।

यूक्रेन-रूस युद्ध की भेंट चढ़े फतेहाबाद के दो युवक, सांसद कुमारी सैलजा ने जताया गहरा दुख

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि फतेहाबाद के गांव कुम्हारिया के युवा अंकित जांगड़ा और विजय पूनिया की यूक्रेन-रूस युद्ध से जुड़ी दुखद मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक है। इस घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति वह अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती है और ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा परिजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करती हैं। सांसद ने कहा कि जानकारी मिली है कि ये युवा बेहतर रोजगार और उज्ज्वल भविष्य की तलाश में विदेश गए थे, जहां उन्हें कथित रूप से नौकरी के नाम पर गुमराह कर युद्ध क्षेत्र में भेज दिया गया। यह केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि युवाओं की सुरक्षा, विदेश रोजगार व्यवस्था और प्रशासनिक सतर्कता से जुड़ा एक गंभीर मामला है, जिस पर व्यापक स्तर पर विचार और ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है। यह विषय पहले भी संबंधित विभागों के संज्ञान में लाया गया था।ऐसे में अपेक्षा थी कि समय रहते प्रभावी और संवेदनशील कदम उठाए जाएंगे, ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। किंतु दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं हो सका, जिसके परिणामस्वरूप एक और परिवार को अपूरणीय क्षति उठानी पड़ी। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि विदेशों में रोजगार की तलाश में जाने वाले युवाओं के लिए सुरक्षा तंत्र को और अधिक मजबूत, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की तत्काल आवश्यकता है।

OPS पर हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला, मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के कर्मचारियों को मिलेगा लाभ, अधिसूचना जारी

पंचकूला। श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ मिलेगा।हरियाणा सरकार ने विशेष रूप से बोर्ड के 57 कर्मचारियों यह निर्णय लिया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद जारी अधिसूचना के तहत श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड कर्मचारी (पेंशन प्रारम्भ तथा सामान्य भविष्य निधि) नियम-2025 लागू किए गए हैं। इन नियमों के अनुसार 1 जनवरी 2006 से पहले नियमित आधार पर नियुक्त बोर्ड के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ दिया जाएगा। यह लाभ उन कर्मचारियों पर लागू होगा जो अधिसूचना प्रकाशित होने के तीन महीने के भीतर इन नियमों को अपनाने का विकल्प चुनेंगे। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि 1 जनवरी 2006 या उसके बाद नियुक्त कर्मचारियों पर नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू रहेगी।जो कर्मचारी 2006 से पहले नियुक्त होने के बावजूद इन नियमों को नहीं अपनाते, वे कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफओ) के तहत ही कवर रहेंगे। यह योजना 6 अक्टूबर 2021 से प्रभावी मानी जाएगी, जिस दिन बोर्ड ने इन कर्मचारियों को ओपीएस का लाभ देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।नियमों के तहत पेंशन का भुगतान एक अलग पेंशन फंड से किया जाएगा, जिसमें कर्मचारियों और बोर्ड द्वारा किए गए भविष्य निधि अंशदान को शामिल किया जाएगा। पेंशन का मासिक भुगतान सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी आदेश के आधार पर किया जाएगा और इसमें बदलाव भी केवल अधिकृत आदेश से ही संभव होगा। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस योजना के लिए सरकार की ओर से कोई अलग बजट प्रविधान नहीं किया जाएगा तथा सभी भुगतान बोर्ड के अपने संसाधनों से किए जाएंगे। इस निर्णय को लंबे समय से पेंशन लाभ की मांग कर रहे कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

हरियाणा विधानसभा सचिव तलब, हाई कोर्ट के यथास्थिति आदेश के बावजूद प्रमोशन पर सख्त रुख; अवमानना का नोटिस जारी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा सचिवालय में पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए विधानसभा सचिव राजीव प्रसाद को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने के आदेश दिए हैं। जस्टिस संदीप मौद्गिल ने स्पष्ट किया कि अदालत के पूर्व यथास्थिति आदेश के बावजूद यदि पदोन्नति की गई है तो यह प्रथम दृष्टया न्यायालय की अवमानना का मामला बनता है। अदालत ने सचिव को शपथ पत्र दाखिल कर यह स्पष्ट करने को कहा है कि उनके विरुद्ध अवमानना अधिनियम, 1971 के तहत कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए। मामला याचिकाकर्ता राजेश कुमार की ओर से दायर आवेदन पर सुनवाई के दौरान उठा। याचिका में आरोप लगाया गया कि 22 जनवरी को हाई कोर्ट द्वारा पदोन्नति मामलों में यथास्थिति बनाए रखने के स्पष्ट आदेश दिए जाने के बावजूद 30 मार्च को राजिंदर सिंह को नवसृजित डिप्टी सेक्रेटरी (डिबेट्स) पद पर एडिटर आफ डिबेट्स के रूप में पदोन्नत कर दिया गया। याचिकाकर्ता का कहना था कि यह कार्रवाई अदालत के आदेशों की खुली अवहेलना है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष ने अदालत को बताया कि विधानसभा सचिवालय में रिपोर्टर कैडर से वरिष्ठ रिपोर्टर अथवा चीफ रिपोर्टर पदों पर पदोन्नति के लिए वरिष्ठता-सह-योग्यता के नियम लागू हैं, लेकिन विभाग ने बिना अंतिम वरिष्ठता सूची तैयार किए ही पदोन्नति प्रक्रिया आगे बढ़ा दी।उन्होंने सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि स्वयं विभाग ने स्वीकार किया है कि रिपोर्टर्स की वरिष्ठता सूची अभी विचाराधीन है। ऐसे में बिना सूची अंतिम किए पदोन्नति देना मनमाना, अवैध और अधिकारों का दुरुपयोग है।हाई कोर्ट ने इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए हरियाणा सरकार और संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया। अदालत ने अगली सुनवाई 15 मई तय करते हुए तब तक पदोन्नति संबंधी स्थिति यथावत रखने के निर्देश दोहराए।

भिवानी में स्वास्थ्यकर्मियों का सब्र टूटा, चार महीने से नहीं मिला वेतन; 1 मई से ठप करेंगे काम

भिवानी। जिले में हरियाणा कौशल निगम के तहत कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों की स्थिति अब गंभीर होती जा रही है। चार महीनों से वेतन न मिलने के कारण 115 कर्मचारी आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि कई परिवारों को रोजमर्रा के खर्च चलाने के लिए उधार लेना पड़ रहा है, जबकि कुछ रिश्तेदारों के सहारे गुजारा कर रहे हैं। बच्चों की फीस, राशन और अन्य जरूरी जरूरतें पूरी करना भी चुनौती बन गया है। विडंबना यह है कि अक्टूबर में पोर्टल से नाम हटाए जाने के बाद विरोध पर कर्मचारियों को दोबारा बहाल तो कर दिया गया, लेकिन अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर और जनवरी के 19 दिन का वेतन अब तक जारी नहीं हुआ। लगातार ड्यूटी के बावजूद सिर्फ आश्वासन मिलने से कर्मचारियों में रोष बढ़ रहा है। पोर्टल से हटाए नाम, वेतन पर लगा ब्रेक अक्टूबर महीने में विभागीय पोर्टल से करीब 250 कर्मचारियों के नाम अचानक हटा दिए गए थे। इस तकनीकी कार्रवाई ने सीधे उनके वेतन पर ब्रेक लगा दिया। कर्मचारियों ने विरोध किया तो नाम दोबारा जोड़ दिए गए, लेकिन चौंकाने वाली बात यह रही कि वेतन अब तक जारी नहीं हुआ। नतीजा चार महीने से जेब खाली और जिम्मेदारियां जस की तस।वेतन न मिलने से कर्मचारियों की जिंदगी पूरी तरह

प्रभावित हो गई है। कई कर्मचारी अब रोजमर्रा का सामान जैसे किराना भी उधार में लेने को मजबूर हैं। बच्चों के एडमिशन और फीस के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। लगातार आय बंद होने से महीने का पूरा बजट बिगड़ चुका है और आर्थिक दबाव के कारण मानसिक तनाव भी तेजी से बढ़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि वे सरकारी सिस्टम में काम कर रहे हैं, लेकिन हालात ऐसे हो गए हैं कि उनकी स्थिति प्राइवेट मजदूर से भी बदतर महसूस हो रही है। वेतन न मिलने से स्वास्थ्यकर्मी गंभीर आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। कई कर्मचारियों को घर का खर्च चलाने के लिए उधार लेना पड़ रहा है, जबकि कुछ रिश्तेदारों के सहारे परिवार चला रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई और एडमिशन के लिए भी कर्ज लेना मजबूरी बन गया है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ रहा है। क्या बोले कर्मचारी? कर्मचारियों का कहना है कि चार माह से वेतन न मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति पूरी तरह बिगड़ चुकी है। उन्होंने कई बार अधिकारियों से वेतन जारी करने की मांग की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला, अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ। कई बार अधिकारियों से वेतन जारी करने की मांग कर चुके हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला, न भुगतान की तारीख तय हुई और न कोई स्पष्ट जवाब मिला। इस रवैये से कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। यदि जल्द वेतन जारी नहीं होने पर एक मई को एक घंटे का कार्य बहिष्कार कर प्रदर्शन किया जाएगा। कर्मचारियों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रशासन से मांग है कि जल्द से जल्द बकाया वेतन जारी कर कर्मचारियों को राहत दी जाए, ताकि वे बिना किसी तनाव के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

हरियाणा में फसल पर 'गुलाबी संकट', कीटों के हमले से सहमे किसान; कपास छोड़ बाजरा और ग्वार की ओर रुख

ढिगावा मंडी। हरियाणा में कपास की खेती करने में किसान रूचि नहीं दिखा रहे हैं। मार्केट में अच्छा भाव मिलने के बावजूद भी किसानों का कपास से मोह भंग हो चुका है। मार्केट में नरमा कपास इस समय आठ से 10 हजार रुपये क्विंटल बिक रही है। इसके बावजूद किसान कपास की फसल की बिजाई करने में ज्यादा रुचि नहीं ले रहे। जिसके कारण पिछले साल से 60 से 65 प्रतिशत तक कपास का रकबा घट सकता है। कपास की फसल से किसानों का मोह भंग होने का कारण गुलाबी सुंडी है। गुलाबी सुंडी ने पिछले साल कपास की फसल में कहर ढाया था। जिसके कारण किसानों ने समय से पहले कपास की फसल काटकर अगली फसल की बिजाई कर दी थी। सरकार और कृषि विभाग को भी पहले से ही इस बार कपास का रकबा घटने का अंदेशा था। जिसके चलते

गुलाबी सुंडी पर नियंत्रण पाने के लिए खरीफ सीजन से पहले ही प्रयास शुरू कर दिए गए थे। अधिकारियों ने किया था किसानों से संपर्क कृषि विभाग के अधिकारियों ने काटन मिल में जाकर निरीक्षण किया और वहां रखे बिनौले को ढक कर रखने के आदेश दिए थे, ताकि बिनौले से निकल कर गुलाबी सुंडी का फैलाव ना हो। वहीं खेतों में रखे कपास के फसल अवशेष (लकड़ी) भी उठाने या नष्ट करने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से संपर्क किया।ताकि फसल अवशेष में अगर गुलाबी सुंडी है, तो वो भी नष्ट हो जाए और कपास की अगली फसल में जाए। लेकिन कृषि विभाग के प्रयासों के बावजूद कपास की फसल की बिजाई करने में किसान कम रुचि ले रहे हैं।पिछले साल एक लाख 52 हजार एकड़ में कपास की फसल थी भिवानी जिले का लोहारू, बहल क्षेत्र कपास उत्पादन के लिए जाना जाता है, लेकिन अब यहां के किसान बाजरा, ग्वार, मूंग की फसलों का रुख कर रहे हैं। दैनिक जागरण टीम ने किसानों से इस बारे में बात की तो उन्होंने बताया कि भूजल स्तर तेजी से गिरना, समर्थन मूल्य पर अनिश्चितता, गुलाबी सुंडी व सफेद मक्खी का प्रकोप किसानों ने कपास की खेती छोड़ने का प्रमुख कारण बताया। बता दें की भिवानी जिले में पिछले साल एक लाख 52 हजार एकड़ में कपास की फसल थी। 15 मई तक कपास की बिजाई के लिए अनुकूल समय माना जाता है, लेकिन अभी तक नाममात्र एकड़ पर ही कपास की बिजाई हो पाई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में आठ से 10 हजार एकड़ में और कपास की बिजाई हो सकती है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अगले पांच दिन मौसम कपास फसल बिजाई के लिए अनुकूल है। क्योंकि वर्षा से तेजी से बढ़ रहे तापमान में गिरावट आई है।

हरियाणा निकाय चुनावः भाजपा-कांग्रेस के दिग्गज बहाएंगे पसीना, शहरों में अपनी सरकार बनाने की होड़

चंडीगढ़। हरियाणा के अंबाला, सोनीपत, पंचकूला नगर निगम, रेवाड़ी नगर परिषद समेत विभिन्न शहरी निकायों में 10 मई को होने वाले चुनाव में भाजपा तथा कांग्रेस पूरी ताकत से जुटे हैं। प्रचार जल्दी ही जोर पकड़ रहा है और दोनों प्रमुख दलों के दिग्गज नेता चुनाव में पसीना बहाने को तैयार हैं। भाजपा जहां सभी सीटों पर कब्जा कर शहरों में अपनी सरकार फिर से बनाने की रणनीति में जुटी है, वहीं कांग्रेस भी अपना खोया जनाधार वापस पाकर यह दिखाना चाहती है कि हरियाणा में विपक्ष मजबूत और आने वाले विधानसभा चुनाव में कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार हो रहा है।बीजेपी से ये दिग्गज उतरेंगे मैदान में भाजपा की ओर से चुनाव प्रचार प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पुनिया पंचकूला से आरंभ कर चुके हैं। वे अंबाला, सोनीपत और रेवाड़ी भी जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की रेवाड़ी में पहली जनसभा दो मई से आरंभ होगी। इसके बाद अंबाला, सोनीपत तथा पंचकूला के लिए भी उनका चुनावी कार्यक्रम बन रहा है।पंचकूला में तो मुख्यमंत्री कई कार्यक्रम कर चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी इन जगहों पर जनसभा करेंगे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल कुछ जगहों पर चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। हुड्डा समेत राव नरेंद्र सिंह भी बहाएंगे पसीना केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह पहले से ही रेवाड़ी में डेरा डाल चुके हैं। भाजपा की ओर से प्रदेश सरकार में कई मंत्री चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव भी अपने उम्मीदवारों के लिए दिन-रात लगे हुए हैं। इनके अलावा नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के साथ सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा की चुनावी जनसभाएं होंगी। कांग्रेसी सांसद भी अपने क्षेत्रों की सीटों पर सक्रिय भूमिका निभाएंगे। एक दो दिन में पार्टी नेताओं का चुनावी कार्यक्रम तय कर देगी। कांग्रेस का पूरा जोर है कि उसके पक्ष में रिजल्ट आए, प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद राव नरेंद्र सिंह का यह पहला चुनाव है। उनके लिए भी निकाय चुनाव एक तरह से अग्नि परीक्षा साबित होगा। अगर उम्मीदवारों ने बेहतर प्रदर्शन किया तो संगठन यह कह सकेगा कि हरियाणा में पार्टी मजबूत हुई है।

बहादुरगढ़ नवजात शिशु तस्करी मामलाः एसआईटी की बैठक में हुई जांच की समीक्षा, सरगना की तलाश में छापेमारी तेज

बहादुरगढ़। नवजात बच्चों की खरीद-फरोख्त के मामले में पुलिस की जांच अब कुछ दिनों से ठहरी सी है। ऐसे में एसआइटी की बैठक में अधिकारियों ने जांच में तेजी लाने और फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इस पर पुलिस टीम ने इस गिरोह के सरगना की तलाश में छापेमारी तेज कर दी है। दूसरी ओर पुलिस द्वारा नोटिस जारी कर कई ऐसे परिवारों को बुलाया, जिन्होंने इस

गिरोह से बच्चे ले रखे हैं, मगर ऐसे परिवार अभी सहमे हुए हैं। ऐसे में उनसे बच्चे पुलिस बरामद नहीं कर पाई है।इन परिवारों ने कितने पैसे में बच्चे लिए, इसका पता किया जा रहा है। तीन बच्चों के बाद और कोई बच्चा बरामद नहीं हो सका है। कई परिवार नोटिस के बाद पहुंचे, मगर वे बच्चा लेकर नहीं आए तो उनको दोबारा नोटिस दिए गए हैं।पुलिस अभी तक इस गिरोह द्वारा बेचे गए तीन बच्चे ही बरामद कर सकी है। हालांकि गिरोह द्वारा 10 राज्यों में 60 से ज्यादा बच्चों को बेचने के मामलों का पुलिस को पता लग चुका है। अभी तक इस मामले में 12 गिरफ्तारी हो चुकी हैं। पुलिस की टीमें पंजाब में इस गिरोह के सरगना प्रगट सिंह उर्फ लाडी की तलाश में जुटी हैं।

हरियाणा सरकार ने लैंड पूलिंग पॉलिसी में किया बड़ा बदलाव, 10 नई IMT का रास्ता साफ; किसानों की होगी बराबर की हिस्सेदारी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने विकास परियोजनाओं खासकर नई औद्योगिक टाउनशिप (आइएमटी) विकसित करने के लिए लैंड पूलिंग पालिसी में बड़ा बदलाव किया है। राज्य सरकार का यह बदलाव किसान, उद्योग और सरकार तीनों के लिए फायदेमंद रहने वाला है। प्रदेश सरकार ने लैंड पूलिंग पालिसी में किए इस बदलाव को किसान-भागीदारी आधारित औद्योगिक विकास माडल के रूप में पेश किया है। राज्य में अब जितने भी औद्योगिक विकास होंगे या नई आइएमटी बनेंगी, उनमें किसानों की बराबर की भागीदारी और हिस्सेदारी होगी। नई पालिसी के अंतर्गत किसानों को उनकी दी गई जमीन के बदले कुल विकसित जमीन का 50 प्रतिशत (आधा) हिस्सा मिलेगा। किसान अब अपनी जमीन देकर सिर्फ मुआवजा लेने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि विकसित इंडस्ट्रियल एरिया में उनकी बराबर की हिस्सेदारी होगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह, सीएम के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर और प्रधान सचिव अरुण गुप्ता की मौजूदगी में हुई उच्च स्तरीय बैठक में लैंड पूलिंग पालिसी के नये प्रारूप को मंजूरी प्रदान की गई।

औद्योगिक इकाइयों को नहीं होगी परेशानी

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त व सचिव डा. अमित अग्रवाल, महानिदेशक यश गर्ग, एचएसआइआईडीसी के प्रबंध निदेशक एमएल सारवान और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के राज्य संयोजक सुनील शर्मा के फीडबैक के आधार पर सरकार में सहमति बनी कि लैंड पूलिंग पॉलिसी के अंतर्गत नई आइएमटी विकसित करने में किसानों को सीधे भागीदार बनाने से न तो जमीन की कमी रहेगी और न ही औद्योगिक इकाइयों को किसी तरह

की परेशानी आएगी। राज्य सरकार भी निर्धारित समय अवधि से पहले नई आइएमटी विकसित करने के लक्ष्य को पूरा कर सकेगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने राज्य में 10 नई आइएमटी विकसित करने की घोषणा कर रखी है। इनमें हिसार (एयरपोर्ट के पास), सोहना (मौजूदा आइएमटी का विस्तार), नारनौल (लाजिस्टिक हब), रोहतक (ईवी पार्क), सिरसा (एग्री-बेस्ड आइएमटी), पलवल (ग्रेटर फरीदाबाद), अंबाला, नारायणगढ़, जींद और रेवाड़ी की आइएमटी शामिल हैं। जींद का प्रोजेक्ट सबसे बड़ा होगा, जो दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे और 152डी एक्सप्रेसवे के पास करीब 12 हजार एकड़ में प्रस्तावित है। अंबाला में आइएमटी के लिए जमीन के पंजीकरण हो चुके हैं और नारायणगढ़ के लिए रेट तय किए जा चुके हैं।

चूंकि ई-भूमि पोर्टल पर जमीन के मनमाने रेट मांगे जा रहे हैं और कई जगह विवाद की स्थिति बन रही है तो ऐसे में सरकार ने लैंड पूलिंग पालिसी में किसानों को सीधे भागीदार बनाकर बीच का रास्ता निकाला है।

हरियाणा सरकार ने नारायणगढ़ में करीब 1.5 करोड़ रुपये प्रति एकड़ का रेट तय किया है और साथ ही लैंड पूलिंग में शामिल होने के लिए किसानों के सामने विकल्प भी खुला रखा है। उदाहरण के लिए किसान की एक एकड़ जमीन है। उसमें करीब 4000 वर्ग मीटर का एरिया आता है। इसमें से 1400 से 1500 वर्ग मीटर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में खर्च हो जाएगा। बाकी बचे करीब 2500 वर्ग मीटर एरिया में आधा हिस्सा किसान का होगा और आधा सरकार का होगा। लैंड पूलिंग के तहत 50% यानी 1200 से 1250 वर्ग मीटर का विकसित प्लाट किसान को मिलेगा। यह माडल किसानों को भविष्य में जमीन की बढ़ी हुई कीमत और व्यावसायिक उपयोग का फायदा भी देगा, जो सीधे मुआवजे से कहीं ज्यादा आकर्षक माना जा रहा है।

प्लॉट भी ले सकेंगे किसान

संशोधित नई पालिसी की खासियत इसका लचीलापन है। किसान चाहें तो बाजार दर के अनुसार मुआवजा ले सकते हैं या फिर विकसित प्लाट का विकल्प चुन सकते हैं। इतना ही नहीं, प्लाट के आकार को लेकर भी स्वतंत्रता दी गई है। किसान 1200 वर्ग मीटर को छोटे-छोटे हिस्सों में या एक बड़े प्लाट के रूप में ले सकते हैं। प्लाट लेने के बाद अलग से मुआवजा नहीं मिलेगा। दूर होंगी आईएमटी विकसित होने की समस्त बाधाएं हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह के अनुसार प्रदेश में 10 नई आइएमटी विकसित की जानी है। अंबाला व नारायणगढ़ में जमीन मिल गई है। अब सरकार ने लैंड पूलिंग स्कीम बनाने का निर्णय लिया है।

नीम का जूस अत्यधिक और गलत तरीके से सेवन से शरीर को हो सकता है नुकसान

नीम का जूस फायदेमंद होने के बावजूद, इसका अत्यधिक और गलत तरीके से सेवन शरीर में रूखापन, जोड़ों में दर्द और कमजोरी पैदा कर सकता है, इसलिए इसे अपनी रोजाना की आदत बनाना नुकसानदायक हो सकता है।

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण लोग अपनी सेहत का ध्यान बिल्कुल भी नहीं रखते हैं। सेहतमंद रहने के लिए लोग ज्यादातर महंगी डाइटिंग और फैंसी चीजों की तरफ जाते हैं। लेकिन हमारे आसपास मौजूद पेड़-पौधों, पत्तों और फूलों के औषधीय गुणों के बारे में जान लें और इन्हें डाइट में शामिल करें,तो आधी से ज्यादा बीमारियां से बचा जा सकता है। आयुर्वेद में नीम के पत्तों को किसी खजाना माना गया है। खून को साफ करने के लिए नीम के पत्ता सबसे अच्छा माना जाता है, वजन कम करने और शरीर को डिटॉक्स करने में नीम बेहद ही फायदेमंद होता है। कुछ लोग रोजाना नीम के पत्तों का जूस पीते हैं, लेकिन वे यह नहीं जानते हैं किन लोगों के लिए यह जूस फायदेमंद नहीं होता है। और अगर आप रोजाना इसके जूस पीने को अपनी सबसे हेल्दी आदत मान रही हैं, तो आप गलत है। नीम के पत्तों के जूस पीने के सही तरीके और मात्रा में पीना चाहिए। आइए आपको इस बारे में बताते हैं।

हेल्थ के एक्सपर्ट बताते हैं कि नीम के पत्तों का कड़वा स्वाद हमारे शरीर में रूखापन लेकर आता है। यदि आप इसे बिना बैलेंस के रोजाना डाइट में शमिल करते हैं, तो ये शरीर के हर सेल में मौजूद नमी को बाहर खींच लेता है।

– नीम की तासीर की प्रकृति ठंडी और शुष्क होती है और ऐसे में इसे लंबे समय तक लेने से बॉडी में ड्राइनेस पैदा हो सकती है।

– अगर आप अत्यधिक कड़वी चीजों का सेवन करते हैं, तो ब्लड, मसल्स और फैट समेत शरीर के सात मुख्य टिश्यूज कमजोर होने लगते है। जिससे हेल्दी डाइट लेने के बाद भी आपको कमजोरी और थकान हो सकती है।

– लोग सोचते हैं कि नीम का जूस पीकर हमारी बॉडी डिटॉक्स होगी, लेकिन असल में हमारे टिश्यू मास कम होने लगता है।

– कड़वा रस अधिक शरीर में पहुंचता है, तो इसका असर वात रस पर पड़ता है, जिससे ऑयल कम होने लगता है और जोड़ों में अकड़न और दर्द हो सकती है।

– नीम का जूस पीने से स्किन अधिक ड्राई हो जाते हैं और समय से पहले एजिंग के साइन्स नजर आ सकते हैं।

नीम का जूस पीने का सही तरीका

– जब आप नीम का जूस पिएं तो साथ में घी जरुर लें। ऐसा करने से आपकी सभी रुखे हर्ब्स के साथ करना चाहिए ताकि शरीर में ड्राइनेस ने आए।

– रोजाना नीम का जूस 15-30 मिली से ज्यादा न लें।

– एक्सपर्ट के सलाह लेकर ही नीम का जूस पिएं।

पाचन सुधारकर पेट की तकलीफ दूर करता है यह घरेलू उपाय

पेट में फंसी गैस और ब्लोटिंग से तुरंत राहत पाने के लिए दवाओं की जगह अपनाएं यह असरदार देसी ड्रिंक। नींबू, हींग और काली मिर्च से बना यह घरेलू उपाय सिर्फ 2 मिनट में पाचन सुधारकर पेट की तकलीफ दूर करता है।

बिजी लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण कई बार हम सभी पेट संबंधित परेशनियों से गुजरना पड़ता है। एसिडिटी, ब्लोटिंग, गैस इन सभी समस्याओं से हम सभी कभी न कभी जरुरत महसूस करते हैं। खाना खाने के बाद अचानक से पेट टाइट हो जाना, डकार न आना या असहज महसूस होना ये सभी डाइजेशन की गड़बड़ी का संकेत होता है। इन परेशनियों के चक्कर में कई लोग तो दवाओं का सेवन करने लग जाते हैं, हर बार दवा लेना भी ठीक नहीं होता है। अब आपकी किचन में ही इसका असान और असरदार इलाज छिपा हुआ है। इस लेख में हम आपको ऐसी देसी ड्रिंक के बारे में बताने जा रहे है, जो गैस से तुरंत आराम देती है।

गैस दूर करने वाले ड्रिंक की सामग्री

– नींबू का रस– 1/2

– हींग– 1 चुटकी, – काली मिर्च– 1 चुटकी

– गुनगुना पानी– 1/2 कप

गैस के लिए मैजिक ड्रिंक कैसे बनाएं और पिएं?

– इसे बनाने के लिए सभी चीजों को अच्छी तरह से मिलाएं।

– धीरे-धीरे छोटे घूंट में पिएं।जड़ी-बूटियां और मसाले

– इसे खाने के बाद या जब भी गैस महसूस हो, तब इसका सेवन कर सकते हैं।

ये ड्रिंक कैसे काम करती है?

– यह ड्रिंक फंसी हुई गैस को बाहर निकालती है।

– पेट की सूजन और भारीपन कम करती है।

– डाइजेशन को तुरंत एक्टिव करती है।

ड्रिंक में मौजूद चीजों के फायदे

– गुनगुने पानी के साथ नींबू का रस लेने से ब्लोटिंग की समस्या कम होती है। यह डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाता, इसके साथ ही फैट के डाइजेशन को आसान बनाता है और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

– गर्म पानी पीन से ब्लोटिंग के लिए आसान और नेचुरल उपाय है। यह डाइजेशन को बेहतर करता है। यह आंतों की मसल्स को रिलैक्स करता है और गुब्बारे की तरह फूली गैस को बाहर निकालता है।

– आयुर्वेद में हींग को गैस, अपच और ब्लोटिंग के लिए पारंपरिक उपाय है क्योंकि यह पेट में अग्नि को बढ़ाती है। यह एकदम कर्मिनेटिव की तरह काम करता है, डाइजेशन एंजाइम्स को एक्टिव करता है और पेट में फंसी गैस से राहत दिलाता है।छुट्टी, पार्टी वगैरह में इस्तेमाल होने वाले प्रॉडक्ट

– काली मिर्च डाइजेशन को बेहतर बनाती है और ब्लोटिंग को कम करती है। इसमें मौजूद पिपेरिन डाइजेशन एंजाइम्स को बढ़ाता है, प्रोटीन को तोड़ता है और गैस कम करता है।

– इसके साथ ही यह हल्के मूत्रवर्धक की तरह काम करके शरीर में पानी की अतिरिक्त मात्रा को भी कम करता है। इसका अधिक मात्रा में सेवन करने से आपको पेट में जलन हो सकती है।

गर्मी में इन 5 फलों से बढ़ सकती है हीट और ब्लोटिंग

गर्मियों का मौसम आते ही लोग ताजे और रसीले फलों का सेवन करते है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ फल ऐसे भी होते हैं जो इस मौसम में शरीर को फायदा देने के बजाय नुकसान पहुंचा सकते हैं? हाल ही में जनरल फिजीशियन डॉक्टर ने जानकारी दी थी की कुछ फलों का सेवन गर्मियों में सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। उनके अनुसार, गर्मी के मौसम में शरीर पहले से ही डिहाइड्रेशन और बढ़ते तापमान से जूझ रहा होता है। ऐसे में अगर गलत फल, गलत समय या जयादा मात्रा में खा लिया जाए तो इससे ब्लोटिंग, एसिडिटी, शुगर बढ़ना और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जानें कोन से फल नहीं खाने चाहिए।

गर्मियों में किन फलों से रखें दूरी?

चीकू

चीकू खाना खास तोर पर सभी पसंद होता है। चीकू एक मीठा और स्वादिष्ट फल है, जिसे सही मात्रा में खाने पर शरीर को कई फायदे मिलते हैं। इसमें फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं। पर क्या आप जानते है की चीकू में प्राकृतिक शुगर की मात्रा काफी अधिक होती है। यह फल भारी होता है और अधिक सेवन से ब्लड शुगर बढ़ने और पेट में भारीपन की समस्या हो सकती है।

अनानास

अनानास एक स्वादिष्ट और रसीला फल है, जो गर्मियों में शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। इसमें विटामिन ष्ट, फाइबर और खास एंजाइम (ब्रोमेलिन) पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए बहुत लाभकारी हैं। पुर गर्मियों मे ज्यादा अनानास खाने से स्वभाव एसिडिक होता है। इसे ज्यादा खाने से एसिडिटी, पेट में जलन और ब्लोटिंग हो सकती है। कुछ लोगों में यह स्किन से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ा सकता है।

कटहल

कटहल एक पौष्टिक और देसी सुपरफूड माना जाता है। इसका स्वाद जितना अलग होता है, इसके फायदे भी उतने ही खास होते हैं। इसमें फाइबर, विटामिन ष्ट, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। पर कहा जाता है की कटहल एक भारी फल है, जो पचने में समय लेता है। गर्मियों में इसका अधिक सेवन गैस, अपच और पेट फूलने की समस्या पैदा कर सकता है।

आम

आम को 'फलों का राजा' कहा जाता है और यह सिर्फ स्वाद में ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन ए सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। लेकिन इसका अधिक सेवन नुकसानदेह हो सकता है। डॉक्टर के अनुसार, ज्यादा आम खाने से शरीर में गर्मी, शुगर लेवल बढ़ना और स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए।

अंगूर

अंगूर एक छोटा लेकिन बेहद पौष्टिक फल है, जो स्वाद के साथ-साथ शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व देता है। इसमें विटामिन सीके, एंटीऑक्सीडेंट्स और नेचुरल शुगर भरपूर मात्रा में होती है। लेकिन अंगूर में शुगर की मात्रा अधिक होती है। अधिक सेवन से गट में फर्मेंटेशन, गैस और ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। साथ ही, ठीक से साफ न करने पर इसमें मौजूद केमिकल्स भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

गर्मियों के लिए कौन से फल हैं बेहतर?

डॉक्टरों के अनुसार, इस मौसम में ऐसे फलों का चयन करना चाहिए जो शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन दें:

तरबूज: लगभग 90% पानी से भरपूर, शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखता है

खरबूजा: पोटैशियम और विटामिन ए से भरपूर, ब्लड प्रेशर संतुलित रखने में मददगार

पपीता: पाचन सुधारने और गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

संतरा: विटामिन सी से भरपूर, इम्यूनिटी और इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखता है।

गर्मी से बचने के लिए इन चीजें का रखे ध्यान

डॉक्टरों का कहना है कि किसी भी फल को पूरी तरह छोड़ने की जरूरत नहीं है, लेकिन मात्रा और समय का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

फल हमेशा सीमित मात्रा में खाएं, खाली पेट ज्यादा मीठे फल खाने से बचें, दिनभर में 1-2 कटोरी फल पर्याप्त हैं और पर्याप्त पानी पीना न भूलें।

गर्मी में सही फल का चुनाव आपकी सेहत को बेहतर बना सकता है, जबकि गलत आदतें परेशानी बढ़ा सकती हैं। इसलिए इस मौसम में हाइड्रेटिंग और हल्के फल ही अपनी डाइट में शामिल करें और भारी व ज्यादा मीठे फलों का सेवन सीमित रखें।

अच्छी नहीं है बार- बार उंगलियां चटकाने की लत, यह धीरे-धीरे शरीर का कर देती है नुकसान

चाहे आपकी एक उंगली हो या सभी इसे चटकने से आवाज जरूर आती है। बहुत से लोग तो आराम से बैठकर अपनी उंगलियां चटकाने लगते हैं, इससे उन्हें लगता है कि इससे उंगलियों को आराम मिलता है। उंगलियों के चटकने का अध्ययन 60 वर्षों से अधिक समय से किया जा रहा है। उंगलियों चटकने या आवाज़ आने के कई कारण बताए जाते हैं। विशेषज्ञों ने तो इसे समझाने के लिए गणित का भी इस्तेमाल किया है, लेकिन इसका सटीक कारण अज्ञात है।

हालांकि जो लोग बार-बार उंगलियां चटकाते हैं उन्हें सावधान रहने की जरुरत है, ये उनके लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है।

उंगलियों चटकने सें क्यों आती है आवाज?

उंगलियों के जोड़ों का चटकना तब होता है जब कोई व्यक्ति किसी जोड़ पर खिंचाव या तनाव डालता है, जिससे जोड़ में चटकने या आवाज़ आने का एहसास होता है। आमतौर पर दर्द रहित, उंगलियों के जोड़ों का चटकना हानिकारक नहीं है। लेकिन अगर आपकी नसें ऊतकों के ऊपर से फिसलती हैं, तो भी चटकने की आवाज़ आ सकती है। जब आप अपनी उंगलियों के जोड़ों को फैलाते हैं, तो वे फिसलती और समायोजित होती हैं। उम्र बढ़ने के साथ-साथ मांसपेशियों में बदलाव और उनके काम करने के तरीके के कारण ऐसा हो सकता है।

क्या उंगलियां चटकाना आपके लिए नुकसानदायक है?

हो सकता है आपने सुना हो कि उंगलियां चटकाने से गठिया हो सकता है। लेकिन रिसर्च में यह बात साबित नहीं हुई है। डॉक्टर कहते हैं कि- ज्यादातर लोगों के लिए यह पूरी तरह से सुरक्षित है, इससे गठिया नहीं होता। उंगलियों के जोड़ों को चटकाने से जोड़ों पर इतना ज़ोर नहीं पड़ता कि वे अपनी जगह से हट जाएं या उंगलियों को नुकसान पहुंचे। हालांकि अगर आप बहुत ज़ोर से दबाते हैं या आपको पहले से ही जोड़ों की कोई समस्या है, तो दर्द या खिंचाव हो सकता है।

ये संकेत दिखते ही हो जाएं सतर्क

जोड़ों को चटकाने के बाद दर्द, सूजन या जोड़ों की हरकत में कमी किसी दूसरी समस्या के संकेत हो सकते हैं, न कि जोड़ों को चटकाने की आदत के कारण। अगर जोड़ों को चटकाने से कभी दर्द, अकड़न या सूजन होती है, तो आपको किसी हेल्थ केयर प्रोवाइडर से संपर्क करना चाहिए। अपनी उंगलियों के जोड़ों को चटकाना आमतौर पर नुकसानदायक नहीं होता, लेकिन अगर यह आपकी कोई ऐसी आदत बन गई है जिससे आपको या दूसरों को परेशानी होती है, या अगर आपको जोड़ों से जुड़ी कोई और समस्या है और उंगलियां चटकाने से आपको दर्द, अकड़न, खिंचाव या सूजन महसूस होती है, तो आपको यह आदत छोड़ देनी चाहिए।

इस आदत को छोड़ने के टिप्स

इस बात पर ध्यान दें कि आप कब और क्यों अपनी उंगलियां चटकाते हैं। इस बात की जानकारी होने से आपको अपना व्यवहार बदलने में मदद मिल सकती है। पता लगाएँ कि ऐसी कौन सी चीज़ है जो आपको अपनी उंगलियां चटकाने के लिए उकसाती है। ऐसी कौन सी बात है जो आपको ऐसा करने के लिए प्रेरित करती है। अपने हाथों को व्यस्त रखने के लिए स्ट्रेस बॉल या कोई छोटा फ़िजेट टूल इस्तेमाल करें। उंगलियां चटकाने के बजाय अपनी उंगलियों या कलाइयों को स्ट्रेच करें। एक ही बार में पूरी तरह से छोड़ने के बजाय धीरे-धीरे करके इस आदत को कम करें। कुछ लक्ष्य या सीमाएं तय करें, जैसे कि काम से जुड़ी मीटिंग के दौरान उंगलियां न चटकाना।

विजय वर्मा ने नागराज मंजुले के साथ काम करने के अनुभव पर बात की

विजय वर्मा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। बातचीत में विजय ने इस प्रोजेक्ट को चुनने की वजह, शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों और निर्देशक नागराज मंजुले के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने इस खेल की बारीकियों, उसे समझने में आई मुश्किलों और उससे जुड़ी अपनी निजी यादों का भी जिक्र किया।

'मटका किंग' को हां कहने की वजह पूछे जाने पर विजय ने सबसे पहले निर्देशक नागराज मंजुले का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरा सपना था पर जब मैंने अपने किरदार के बारे में सुना तो थोड़ा डर गया कि मैं यह कर पाऊंगा या नहीं। डर इसीलिए था क्योंकि नागराज की फिल्मों में हर बारीकी पर ध्यान दिया जाता है।

शूटिंग के दौरान सबसे बड़ी चुनौती क्या रही? इस पर विजय ने कहा, 'सबसे मुश्किल था मटके का खेल समझना। बाहर से देखने पर लगता है कि ये सिर्फ ताश का खेल है लेकिन जब आप उसे किरदार के साथ जीते हैं, तब पता चलता है कि उसके भीतर कितनी बारीकियां हैं। ताश खेलते हुए डायलॉग बोलना, बातचीत करना, एक्सप्रेशन बनाए रखना और साथ ही उस दुनिया में बने रहना... ये सब एक साथ करना अपने आप में बड़ा चैलेंज था।'

ट्रेन के सफर में खेलता था ताश

दिलचस्प बात यह है कि ताश से विजय का रिश्ता सिर्फ इस सीरीज तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि असल जिंदगी में भी वह ताश खेल चुके हैं। विजय बोले, 'मैंने रियल लाइफ में भी खूब ताश खेला है। हैदराबाद से किशनगढ़ के ट्रेन सफर के दौरान एक अलग ही माहौल हुआ करता था। लोग अपने सब जरूरी सामान के साथ ताश लेकर चलते थे, ताकि सफर आराम से कट जाए। मैं भी उन्हीं में शामिल था और मुझे भी सफर के दौरान ताश खेलना पसंद था।'

बातचीत के दौरान जब विजय से पूछा गया कि ऐसी कौन सी लत है, जो चाहकर भी छूट नहीं रही? तो विजय ने हंसते हुए कहा, 'मैं बहुत कोशिश करता हूं कि वक्त पर सो जाऊं लेकिन पता नहीं क्यों ऐसा हो नहीं पाता। रात के एक-दो बज ही जाते हैं। कोशिश तो करता हूं, लेकिन रोज बुरी तरह फेल हो जाता हूं। यही मेरी एक ऐसी आदत है, जिसे चाहकर भी बदल नहीं पा रहा हूं।'

मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी, करिश्मा कपूर ने बताया अब क्यों करतीं हैं कम काम

अभिनेत्री करिश्मा कपूर लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। हालांकि, उनका कहना है कि वो अब समय को ज्यादा महत्व देती हैं और चुनिंदा प्रोजेक्ट्स पर ही काम करना चाहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने करियर और काम के प्रति अपने जुनून को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि अब वो किस तरह के प्रोजेक्ट्स करना चाहती हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने अपने समय के दौर को भी याद किया।

अब मैं समय को ज्यादा महत्व देती हूं

करिश्मा कपूर ने दशकों से इंडस्ट्री को करीब से देखने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज काम जुनून और उद्देश्य से जुड़ा है। मैं इंडस्ट्री में पली-बढ़ी हूं और मुझे कमर्शियल ब्लॉकबस्टर से लेकर एक्सपेरिमेंटल फिल्मों तक, हर तरह की भूमिकाएं निभाने का सौभाग्य मिला है। अब हर जगह मौजूद रहने के बजाय मैं उन प्रोजेक्ट्स को चुनती हूं जो मेरे दिल को छूते हैं। अभिनेत्री स्वीकार करती हैं कि अब समय उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले लगातार काम करने और एक सेट से दूसरे सेट पर जाने की वजह से काफी भागदौड़ रहती थी। अब मैं समय को ज्यादा महत्व देती हूं। मैं सोच-समझकर प्रोजेक्ट चुनती हूं क्योंकि मैं चाहती हूं कि हर प्रोजेक्ट के लिए समय निकालना सार्थक हो और साथ ही परिवार को भी पर्याप्त समय मिल सके। स्क्रिप्ट तो जरूरी है ही, लेकिन साथ ही लोग और कहानी के पीछे का मकसद भी मायने रखता है।

मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी

अभिनेत्री ने आगे कहा कि बड़े पर्दे का अपना ही जादू है, यहीं से मैंने शुरुआत की थी और यह हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगा। लेकिन मुझे यह भी पसंद है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ कहानी कहने का तरीका कैसे विकसित हुआ है। वेब मुश्किल कहानियों और अलग-अलग तरह के किरदारों के लिए मौका देता है। मेरे जैसी किसी के लिए जो आगे क्या करना है, इस बारे में सोच-समझकर फैसला लेती है यह एक बेहतरीन क्षेत्र है। हालांकि, मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी।

2024 में आखिरी बार मर्डर-मिस्ट्री में नजर आई थीं करिश्मा

वर्कफ्रंट की बात करें तो करिश्मा कपूर आखिरी बार साल 2024 में आई मर्डर-मिस्ट्री फिल्म 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म थी, जो ओटीटी पर रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म को खास प्रतिक्रियाएं नहीं मिली थीं। उनके आगामी प्रोजेक्ट को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है।

खुद कंजूस रही हूं, पर पति कंजूस नहीं चलेगा

'दंगल', 'बधाई हो' और 'जवान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा पिछले दिनों अपनी भावनात्मक फिल्म 'मिसेज के जीते अवॉर्ड्स' को लेकर खबरों में थीं, वहीं अब वह चर्चा में हैं अपनी कॉमिडी फिल्म 'टोस्टर' को लेकर। सान्या का कहना है कि अपनी कई फिल्मों में इमोशनल भूमिकाएं करने के बाद असल में वह ऐसे 'फील गुड किरदार' की तलाश में थीं। बकौल सान्या, 'इस फिल्म में काम करना मेरे लिए बहुत मजेदार अनुभव रहा, क्योंकि बतौर ऐक्टर मैं एक ऐसे किरदार के तलाश में थी जिससे मुझे फील गुड वाला अहसास कराए। मैंने इतनी कॉमिडी की भी नहीं है। मैंने ड्रामा वाली फिल्में ज्यादा की हैं और उसमें भी कुछ बहुत इमोशनल वाली भी रहीं हैं, ऐसे में कॉमिडी करना अच्छा ब्रेक था।' सान्या आगे बताती हैं, 'मुझे ऐसी मजेदार फिल्में देखना भी बहुत पसंद है। उस पर अगर आपको एक ऐसी टीम के साथ काम करने को मिले जहां आपको पता है कि आप सेट पर खुशी-खुशी जाओगे और खुशी-खुशी वापस आओगे। इसके अलावा, फिल्म में जो मेरे को-ऐक्टर्स हैं, उनकी कॉमिक टाइमिंग इतनी कमाल है कि उन्हें ऐक्टिंग करते देखना भी बहुत मजेदार होता है। जैसे, जब आप राज (राजकुमार राव) और अभिषेक (बनर्जी) को कुछ इंप्रोवाइज करते हुए देखते हैं तो बड़ा मजा आता है।'

फिल्म में सान्या का पति महाकंजूस होता है, क्या असल जिंदगी में कंजूस पति चलेगा? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'भगवान न करे कि कंजूस पति मिले। पता चला लंच के लिए लंगर पर लेकर चला जाए (हंसती हैं)। हालांकि, मैं खुद कंजूस रह चुकी हूं। मैं काफी सोच-समझकर खर्च करने वाली रही हूं और हर चीज खरीदने से पहले काफी सोचती थी, मगर पति तो कंजूस बिल्कुल नहीं चलेगा।'

सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सपना सच होने जैसा...

2022 की फिल्म 'ऊंचाई' के लिए बेस्ट डायरेक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, सूरज बड़जात्या वापस आ रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम है 'ये प्रेम मोल लिया'। यह एक अच्छी पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है। इस फिल्म को लेकर शरवरी वाघ बेहद खुश हैं। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें राजश्री के प्यारे किरदार 'प्रेम' को 12 साल बाद बड़े पर्दे पर लाया जा रहा है। आयुष्मान खुराना पहली बार प्रेम का रोल निभा रहे हैं। उनके साथ मुख्य अभिनेत्री शरवरी वाघ हैं। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने मिलकर बनाई है। शरवरी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, ''ये प्रेम मोल लिया' मेरे लिए एक बहुत खास फिल्म है। सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सबसे बड़ा सपना सच होने जैसा लग रहा है। आयुष्मान के साथ यह सफर और भी खूबसूरत बन गया है।' शरवरी ने आगे लिखा, '27 नवंबर 2026 को सब लोग सिनेमाघर में फिल्म देखने जरूर आएं।'

फिल्म का संगीत होगा खास

इस फिल्म में 12 साल बाद सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया फिर साथ काम कर रहे हैं। पिछली बार 2014 में सलमान खान की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में दोनों ने साथ काम किया था। उस वक्त कई हिट गाने आए थे। अब भी दमदार संगीत आने की उम्मीद है।

आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की

आयुष्मान खुराना इस साल तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इन दिनों आयुष्मान 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की। साथ ही बताया कि वह हर फिल्म के साथ कुछ नया करने की कोशिश क्यों करते हैं?

आयुष्मान खुराना इस साल 2026 में तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं, ये सभी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। पहली फिल्म कॉमेडी और रिश्तों पर है। जबकि दूसरी फिल्म अनोखी और विद्रोही है। तीसरी फिल्म परिवार और परंपरा पर आधारित है। पहली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो', जो 15 मई को रिलीज होगी। दूसरी फिल्म 'उड़ता तीर', जो 11 सितंबर को आएगी। तीसरी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया', जो 27 नवंबर को रिलीज होगी।

आयुष्मान ने कहा, 'मैं कभी भी जानबूझकर अलग तरह के रोल दिखाने की कोशिश नहीं करता। मेरे लिए सिर्फ वो कहानियां महत्वपूर्ण हैं, जो मुझे दर्शक के रूप में अच्छी लगती हैं। तीन अलग-अलग फिल्में एक ही साल में करना रोमांचक है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी है। यह मुझे हर बार नया बनने के लिए प्रेरित करता है।'

मैं मनोरंजक फिल्में करना चाहता हूं

आयुष्मान ने कहा, 'आज के दर्शक कुछ नया देखना चाहते हैं। वे एक ही चीज बार-बार नहीं देखना चाहते। मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहता हूं, जो मनोरंजक हों और कुछ संदेश भी दें। अगर लोग इसे अलग तरह की फिल्में कह रहे हैं, तो मैं आभारी हूं। लेकिन मेरे लिए यह सिर्फ जिज्ञासु बने रहना और ईमानदार रहना है।

प्रियंका और सामंथा लाईं इंडस्ट्री में बदलाव

'जो मेहनत करता है, उसे फल मिलता है।' कहना है जानी-मानी एक्ट्रेस सई ताम्हणकर का। मराठी के साथ-साथ हिंदी फिल्म जगत में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरने वाली सई 'दुनियादारी', 'हंटर', 'मिमी', 'बेरोजगार', 'धुरला', 'दलदल' और 'डब्बा कार्टेल जैसे हिंदी-मराठी के प्रोजेक्ट्स से खुद को वर्सेटाइल एक्ट्रेस के रूप में साबित कर चुकी हैं। वह अपने सफर को बहुत ही ग्रेसफुल नजरों से देखती हैं और बहुत विनम्र महसूस करती हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज 'मटका किंग' से। उनसे एक बातचीत।

स्कूल में खेलती थी कबड्डी-कराटे

सई आज मराठी और हिंदी इंडस्ट्री में अपना अच्छा नाम बना चुकी हैं, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह एक्ट्रेस बनेंगी। वह बताती हैं, 'मेरे पिता जहाज में काम करते थे और अक्सर समुद्री यात्राओं पर रहते थे। घर पर मैं और मम्मी ही होते थे, और उन्होंने मुझे हमेशा आत्मनिर्भर बनना सिखाया। मुझे मजबूत और दबंग बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। स्कूल में मैं 'कबड्डी गर्ल' के नाम से जानी जाती थी। मेरे घुटने हमेशा चोटिल रहते थे और मुझमें पारंपरिक 'लड़कियों वाली' बातें कम ही थीं। मैं टॉमबॉय थी। कॉलेज तक मेरा बॉयकट हेयरस्टाइल रहा। इसी दौरान मैंने कराटे सीखा और ऑरेंज बेल्ट हासिल की। मेरी मां और खेलों ने मेरे आत्मविश्वास को और मजबूत किया। मेरे बेबाक और बिंदास स्वभाव की वजह से लोग मेरे सामने कुछ गलत करने से हिचकते हैं। मेरा मानना है कि हर लड़की को आत्मनिर्भर और दबंग होना चाहिए।'

रीजनल एक्ट्रेस के टैग से दर्द होता है

आमतौर पर साउथ या मराठी फिल्म जगत से आई हुई एक्ट्रेसेस को रीजनल एक्ट्रेस का टैग दे दिया जाता है। इस पर वह अफसोस जताते हुए कहती हैं, 'कभी -कभार दर्द होता है कि ऐसा क्यों है? हम तो दोनी ही इंडस्ट्री में उतनी ही लगन और मेहनत काम करते हैं। हालांकि वो जमाना चला गया है, जब भाषा के आधार पर विभाजन किया जाता था। इस मुद्दे पर मैं दर्शकों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वो हमें काम के आधार पर तौलें। जहां तक टैग देने की बात है, तो उन्हें तोड़ने में भी खूब मजा आता है। वो हमारे लिए ईंधन का काम करते हैं। मेरे जैसे और भी कई कलाकार हैं, जो इस बॉक्स को तोड़ने में लगे हुए हैं। हिंदी में 'मिमी' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने मुझे इस टैग से बाहर आने में मदद की। मुझे अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला और भी कई दूसरे पुरस्कार मिले।'

'कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है'

सई मानती हैं कि लेबल लगाने के साथ-साथ कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है। वह कहती हैं कि ये सालों से अंडरकरंट देखा जाता है। वह कहती हैं, 'इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।' इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।

प्रियंका और सामंथा लाईं बदलाव

पुरुष प्रधान इंडस्ट्री में हीरोइन की तुलना में हीरो को ज्यादा अहमियत जी जाती है? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'कुछ सालों में ये हालात बदले हैं। प्रियंका चोपड़ा और सामंथा रुथ प्रभु का इस बदलाव में बड़ा योगदान यही। इन्होने धीरे-धीरे वो ब्रैकेट्स तोड़ने शुरू किए। पहले की तुलना मैंने आज हालात बदले हैं, पहले तो बहुत ही बुरी स्थिति थी।' पे पैरिटी के मुद्दे पर सई ताम्हणकर कहती हैं, 'जब भी नेगेटिव चीजें होती हैं, उनके बारे में काफी हो-हल्ला होता है, पर सकारत्मक चीजों पर बात काम ही होती है।

वेब सीरीज के लिए छोड़ी प्राइज मनी

इंडस्ट्री में दो दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुकी सई अपनी फीस को लेकर कहती हैं, 'मैं अगर अपनी बात करूं, तो कई बार मैं अपने मनमुताबिक अपनी फीस ले पाती हूं और कई बार नहीं ले पाती, मगर जितनी बार ले पाई, उसने मुझे बहुत हौसला दिया है। एक एक्टर को पता होता है कि कब अपनी फीस छोड़नी है और कब अड़े रहना है, क्योंकि एक्टिंग के पेशे के बावजूद कई बार हम सृजनात्मक संतुष्टि के लिए काम करते हैं, तो कई बार ऐसा मौका भी आया कि मैंने अपनी प्राइज मनी छोड़ दी हो।' 'मैंने यूट्यूब के लिए एक वेब सीरीज की थी और उसके लिए मैंने अपना मेहनताना छोड़ दिया था, मगर उसका जो रिस्पॉन्स आया था, उसका मोल कुछ हो ही नहीं सकता। उस वेब सीरीज का नाम था 'बेरोजगार'।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।